वर्ष : 34 | अंक : 289 | मुंबई, शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

इलेक्टोरल बॉन्ड 6 साल में बंद हुए, ट्रस्ट 12 साल से चंदा जुटा रहे

2018 में शुरू हुए इलेक्टोरल बॉन्ड को सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2024 में पारदर्शिता के अभाव के चलते अवैध बताकर बंद कर दिया था। इसके बाद राजनीतिक फंडिंग में बड़ा बदलाव आया और इलेक्टोरल ट्रस्ट राजनीतिक दलों के लिए डोनेशन का मुख्य जरिया बन गए हैं। इलेक्टोरल ट्रस्ट स्कीम 2013 से देश में लागू है। ट्रस्ट अभी कंपनी एक्ट 2013, आयकर कानून की धारा 13बी, इलेक्टोरल ट्रस्ट स्कीम 2013 और चुनाव आयोग की गाइडलाइन के तहत नियंत्रित होते हैं। ट्रस्ट कॉर्पोरेट कंपनियों से सीमित रूप से कैश ले सकते हैं। उन्हें यह रकम ITGS या NEFT करनी होती है। किस पार्टी को कितना दान देना है, यह ट्रस्ट बोर्ड तय करता है। इसका नियम है कि कम से कम 95% पैसा साल के भीतर पार्टियों को देना जरूरी है।

चंदा है पर धंधा है...

- 3811 करोड़ का राजनीतिक चंदा
- ट्रस्टों के ज़रिये कॉरपोरेट चंदा तीन गुना बढ़कर 3,811 करोड़ पहुंचा, 80% से ज़्यादा भाजपा के हिस्से
- भाजपा को 2024-25 में सबसे ज्यादा '3,112 करोड़, कांग्रेस को सिर्फ '299 करोड़ मिले

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा विवादास्पद चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द किए जाने के बाद इलेक्टोरल ट्रस्ट के ज़रिये राजनीतिक दलों को मिलने वाला कॉरपोरेट चंदा साल 2024-25 में तीन गुना बढ़कर 3,811 करोड़ रुपये पहुंच गया है। चुनाव आयोग को सौंपे गए योगदान विवरणों के अनुसार, नौ इलेक्टोरल ट्रस्टों ने मिलकर राजनीतिक दलों को कुल 3,811.37 करोड़ रुपये का चंदा दिया है। इसमें से केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 3,112.50 करोड़ रुपये मिले, जो कुल राशि का करीब 82% है। वहीं कांग्रेस को लगभग 298.77 करोड़ रुपये मिले, जो कुल चंदे का 8% से भी कम है। शेष लगभग 400 करोड़ रुपये अन्य राजनीतिक दलों को मिले। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुमनाम इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार दिए जाने से पहले वित्त वर्ष 2023-24 में ट्रस्टों के ज़रिये कुल 1,218 करोड़ रुपये मिले थे।

क्या है इलेक्टोरल ट्रस्ट?

इलेक्टोरल ट्रस्ट एक रजिस्टर्ड संस्था होती है, जो कॉर्पोरेट कंपनियां और व्यक्तियों से चंदा लेकर राजनीतिक पार्टियों तक पहुंचाती है। ट्रस्ट को चंदे की पूरी जानकारी चुनाव आयोग को देनी होती है। इससे चंदे का रिकॉर्ड बना रहता है और पता चलता है कि किस पार्टी को कितना दान मिला। 20 दिसंबर तक के आंकड़ों के मुताबिक, चुनाव आयोग के पास 19 में से 13 इलेक्टोरल ट्रस्ट्स की रिपोर्ट मौजूद थी। इनमें से 9 ट्रस्ट्स ने 2024-25 में कुल 3,811 करोड़ चंदा दिया, जो 2023-24 के 1,218 करोड़ के मुकाबले 200% से ज्यादा और तीन गुना है।

भाजपा को प्रूडेंट और प्रोग्रेसिव ट्रस्ट से 2937.69 करोड़ चंदा

भाजपा को चंदा देने के मामले में प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट सबसे आगे रहा। भाजपा को कुल 3,112 करोड़ में से 2,180 .07 करोड़ अकेले प्रूडेंट ने दिया। प्रूडेंट ने कांग्रेस को 21 .63 करोड़ चंदा दिया। प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने तृणमूल कांग्रेस (TMC), आम आदमी पार्टी (AAP), टीडीपी समेत कई दलों को भी चंदा दिया। हालांकि, इसके कुल 2,668 करोड़ के दान में से करीब 82% राशि भाजपा को मिली। ट्रस्ट को जिन कंपनियों से फंड मिला, उनमें जिंदल स्टील एंड पावर, मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, भारती एयरटेल, ऑरोबिंदो फार्मा और टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं। पार्टियों को सबसे ज्यादा चंदा देने के मामले में दूसरे नंबर पर प्रोग्रेसिव इलेक्टोरल ट्रस्ट रहा, जिसने कुल 914 .97 करोड़ दान किए, जिसमें से 757 .62 करोड़ भाजपा और कांग्रेस को 77 .34 करोड़ दिए।

जवानों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर नई पॉलिसी

इंस्टाग्राम : जवानों को फोटो, रील्स और वीडियो देखने की परमीशन। कमेंट करने की मनाही।

स्काइप, वॉट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल : गैर गोपनीय जानकारी शेयर की अनुमति। अनजान पर्सन से बातचीत की इजाजत नहीं

यूट्यूब, एक्स (ट्विटर), कोरा और इंस्टाग्राम : केवल जानकारी पाने के लिए इस्तेमाल। यूजर-जनरेटेड कंटेंट, पोस्ट अपलोड करने की अनुमति नहीं।

लिंक्डइन : लिंक्डइन का उपयोग केवल रिज्यूमे अपलोड करने और कर्मचारियों से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जा सकेगा।

नजर रखिए, नजरिया नहीं

- इंस्टाग्राम देख पाएंगे लेकिन न पोस्ट कर पाएंगे, न कमेंट-लाइक
- वॉट्सएप, टेलीग्राम जैसे एप्स पर गैर-गोपनीय जानकारी कर सकेंगे शेयर
- सेना ने जवानों के लिए बदली सोशल मीडिया पॉलिसी
- 5 साल पहले लगाया था बैन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय सेना के जवानों को पांच साल बाद सोशल मीडिया एप्स के इस्तेमाल की परमिशन मिल गई है। हालांकि कुछ शर्तें लागू रहेंगी। नई गाइडलाइन के तहत जवान इंस्टाग्राम पर रील, फोटो और वीडियो देख सकेंगे, लेकिन लाइक, कमेंट करने की अनुमति नहीं है। वॉट्सएप, टेलीग्राम जैसे एप्स पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे। इसके अलावा यूट्यूब और X का इस्तेमाल केवल जानकारी के लिए किया जा सकेगा। वहीं, लिंक्डइन, स्काइप और सिग्नल एप के लिए भी नई गाइडलाइन जारी की गई है। सरकार ने 2020 में संवेदनशील सूचनाएं लीक होने की आशंका के चलते जवानों और अधिकारियों को 89 एप हटाने का आदेश दिया था। इसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, जूम और पबजी शामिल थे। इन एप के जरिए उस वक्त हनीट्रैप के कई मामले सामने आए थे।

समय के साथ इंफॉर्मेशन की दुनिया बदल रही

सेना से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि गाइडलाइंस में यह बदलाव कुछ दिन पहले किया गया था। जानकारी अब सामने आई है और यह भारतीय सेना के सभी रैंकों पर लागू होता है। सूत्र ने बताया कि गाइडलाइंस में इस बदलाव के पीछे बड़ी वजह यह है कि इंफॉर्मेशन की दुनिया बदल रही है और सेना खुद को इससे दूर नहीं रख सकती। सोशल मीडिया के जरिए सेना के जवान जानकारी देख सकते हैं, ऑब्जर्व कर सकते हैं और देश और विदेश में होने वाली घटनाओं से खुद को अपडेट रख सकते हैं।

2020 में हनी ट्रैप के बढ़ते मामलों के चलते बैन लगा था

दरअसल 2020 से पहले जवानों के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर हनी ट्रैप के मामले बढ़ गए थे। भारतीय सैन्यकर्मियों के सोशल मीडिया पर हनीट्रैप होने के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को संवेदनशील सूचनाएं लीक होने की कई घटनाएं सामने आ चुकी थीं। सेना का दावा था कि एप के जरिए सूचनाएं जुटाकर पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देश सीमा और नियंत्रण रेखा पर लगातार परेशानी पैदा कर रहे थे। इसी वजह से 2024 में सेना ने अपने अधिकारियों व जवानों से आधिकारिक कामकाज में वॉट्सएप के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी थी। बाद में पूरी तरह बैन लगा दिया था।

मंगलमय 'नवी' उड़ान

- नवी मुंबई एयरपोर्ट पर कामर्शियल ऑपरेशन शुरू
- पहली फ्लाइट को वाटर सैल्यूट

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने गुरुवार को सुबह से अपने कमर्शियल ऑपरेशन का शुभारंभ किया, जिसका स्वागत सेरेमोनियल वॉटर कैनन सैल्यूट से किया गया। एयरपोर्ट ऑपरेटर ने प्रेस रिलीज में बताया कि इस पहले दिन इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्टार एयर की फ्लाइट्स ने एयरपोर्ट को देश के नौ शहरों से जोड़ा। यात्रियों की सुविधा के लिए लोकेशन-स्पेसिफिक डिजिटल साइनेज भी लगाए गए हैं, जो स्थानीय भाषा में डेस्टिनेशन के नाम दिखाएंगे। एयरपोर्ट पर पहली कमर्शियल फ्लाइट लैंड होने के बाद अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि यह मुंबई वालों के लिए गर्व का पल है और उन्हें इस एयरपोर्ट को डेवलप करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि पिछले 10 सालों से मुंबई एयर ट्रैफिक जाम का सामना कर रहा था।

भारतीय एविएशन के लिए एक नए युग की शुरुआत

सोशल मीडिया के जरिए अडानी ग्रुप ने रियल-टाइम अपडेट साझा करते हुए लिखा कि भारतीय एविएशन के लिए एक नए युग की शुरुआत हो रही है। उन्होंने बताया कि सालों की योजना और निष्पादन के बाद एयरपोर्ट अपनी पहली फ्लाइट का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

शुरुआती ऑपरेशन और क्षमता

एयरपोर्ट पहले दिन 15 आउटबाउंड फ्लाइट्स को संभालेगा। शुरुआती चरण में ऑपरेशन 12 घंटे चलेंगे, जिसे बाद में रोज़ाना 24 उड़ानों और 13 डेस्टिनेशन तक बढ़ाने की योजना है। पूरी क्षमता पर यह एयरपोर्ट हर घंटे 10 एयरक्राफ्ट मूवमेंट को संभाल सकेगा, जिसमें आने और जाने वाली उड़ानें शामिल हैं।

डेवलपमेंट और निवेश

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का प्रोजेक्ट नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनएमआईए) के तहत चरणों में पूरा किया जा रहा है। इसमें अडानी ग्रुप की 74% और महाराष्ट्र की सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की 26% हिस्सेदारी है। पहले चरण में 19,650 करोड़ रुपये का निवेश हुआ और लगभग 1,160 हेक्टेयर क्षेत्र में एक सिंगल टर्मिनल व एक रनवे तैयार किया गया है, जिसकी सालाना 20 मिलियन यात्रियों को संभालने की क्षमता है।

ब्रीफ न्यूज़

बीएमसी चुनाव जीतना होगी वाजपेयी को सच्ची श्रद्धांजलि : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) पर 'महायुति' का ध्वज फहराना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। फडणवीस ने वाजपेयी की जयंती के मौके पर मुंबई भाजपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, "बृहन्मुंबई महानगरपालिका में 'महायुति' की सरकार बनाने और 'अंधकार छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा' के नारे को साकार करने का संकल्प है।

बीएमसी चुनाव के लिए 75,000 कर्मचारियों की तैनाती

मुंबई। मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए लगभग 75,000 कर्मचारियों की आवश्यकता होगी, जिनमें से लगभग 58,000 कर्मचारियों को आदेश जारी कर दिए गए हैं और उनका प्रशिक्षण 29 दिसंबर से शुरू होगा। चुनाव में 227 वार्ड और 11,122 मतदान केंद्र होंगे, इसलिए कर्मचारियों की भारी तादाद जरूरी है। प्रशिक्षण छह दिनों तक चलेगा और प्रतिदिन लगभग 10,000 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रशिक्षण में अनुपस्थिति रखने वाले कर्मचारियों के खिलाफ मुंबई नगर निगम अधिनियम की धारा 28 (क) के तहत आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

आज से महंगा होगा सफर

रेलवे मंत्रालय ने किराया वृद्धि की अधिसूचना जारी की

एजेंसी । नई दिल्ली

रेलवे मंत्रालय ने गुरुवार को ट्रेन टिकट किराए में बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी कर दी। कल से ट्रेनों में सफर करना थोड़ा महंगा हो जाएगा। द्वितीय श्रेणी आर्डिनरी ट्रेनों के किराये में 215 किमी तक कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इस बढ़े किराये के तहत 215 किलोमीटर से अधिक की यात्रा पर साधारण श्रेणी के किराए में प्रति किलोमीटर 1 पैसा और मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की नॉन-एसी श्रेणियों तथा सभी ट्रेनों की एसी श्रेणियों में प्रति किलोमीटर 2 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। मंत्रालय ने 21 दिसंबर को ही 26 दिसंबर से यात्री किराया बढ़ाने के फैसले का एलान कर दिया था। यह एक वर्ष के भीतर दूसरी बार है जब रेलवे ने यात्री ट्रेनों के किराये में संशोधन किया है। इससे पहले जुलाई में किराये में बढ़ोतरी लागू की गई थी।

प्रदूषण पर लगाम

- मेट्रो और बुलेट ट्रेन के काम पर लगाम
- बीएमसी ने दिया काम बंद करने का नोटिस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में बढ़ते प्रदूषण स्तर पर लगाम लगाने के लिए बीएमसी ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। बॉम्बे हाई कोर्ट की फटकार के बाद एच पूर्व विभाग ने बांद्रा में चल रही बुलेट ट्रेन और मेट्रो परियोजनाओं के निर्माण कार्यों पर कड़ा नोटिस जारी किया। 17 दिसंबर को बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में मुंबई मेट्रो लाइन 2बी के निर्माण से जुड़े जे.कुमार रेडी मिक्स कंक्रीट प्लांट को काम बंद करने का आदेश दिया गया। एच पूर्व विभाग की सहायक आयुक्त ने कहा कि 24 दिसंबर को निरीक्षण में प्रदूषण नियंत्रण के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन पाया गया। 11 दिसंबर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन अब तक किसी प्रकार का पालन नहीं किया गया।

बुलेट ट्रेन परियोजना और अन्य निर्माण स्थलों पर कार्रवाई

24 दिसंबर को बुलेट ट्रेन परियोजना के कार्यस्थल को वायु प्रदूषण मानकों के उल्लंघन के कारण 'स्टॉप वर्क' नोटिस जारी किया गया। इसके अलावा एच पूर्व विभाग ने बांद्रा, वांद्रे पूर्व, खार पूर्व और सांताक्रुज पूर्व में 29 निर्माण स्थलों पर तत्काल प्रभाव से काम रोक दिया। निरीक्षण में कुल 87 निर्माण स्थलों में से 29 स्थलों पर नियमों का उल्लंघन पाया गया।

बीएमसी चुनाव

फडणवीस-शिंदे के बीच सीट बंटवारे पर मंथन

करीब 200 सीटों पर बनी सहमति

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन महायुति के प्रमुख दल भाजपा और शिवसेना (शिंदे) में सीट बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला अभी तक नहीं हुआ है। बुधवार देर रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना (शिंदे) प्रमुख एकनाथ शिंदे के बीच लगभग दो घंटे तक बैठक चली, जिसमें दोनों नेताओं ने करीब 200 सीटों पर सहमति बना ली है। बाकी सीटों को लेकर जल्द ही अंतिम निर्णय लेने की बात कही जा रही है।

बैठक में सीटों के फार्मूले पर चर्चा

सूत्रों के अनुसार, बैठक में भाजपा और शिवसेना (शिंदे) के बीच सीटों के फार्मूले पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। जिन सीटों पर दोनों दलों की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, वहां आपसी सहमति बन चुकी है। हालांकि कुछ सीटों पर अभी भी विवाद है, खासकर उन सीटों पर जहां विपक्षी नेता अपनी मूल पार्टियों को छोड़कर शिंदे गुट में आए हैं।

जल्द होगी अगली बैठक

बताया जा रहा है कि बची हुई सीटों को लेकर शुक्रवार को दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं और कोर कमेटी के बीच एक और बैठक होगी। इस बैठक में बाकी की बची 27 सीटों पर चर्चा कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। फडणवीस और शिंदे ने ठाणे और मीरा-भायंदर महानगरपालिकाओं में भी गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने की संभावना पर विचार किया।

मिसब्रांडिंग — खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने बदली परिभाषा

ग्रीन टी को अब चाय कहना गैरकानूनी

एजेंसी । नई दिल्ली

खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने खाद्य व्यापारियों को चेतावनी दी है कि जो पेय पदार्थ चाय की पत्ती से नहीं बने हैं, उन्हें 'टी' के नाम से बेचना कानूनन गलत है। नियामक का कहना है कि ऐसी लेबलिंग उपभोक्ताओं को भ्रमित करती है और इसे मिसब्रांडिंग माना जाएगा।

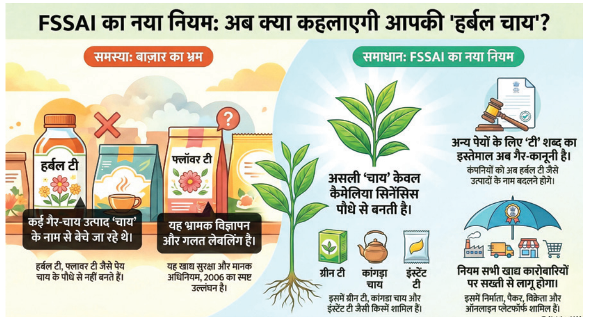

'टी' शब्द के इस्तेमाल पर स्पष्ट नियम

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि 'टी' शब्द केवल उन्हीं उत्पादों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है जो Camellia sinensis पौधे से तैयार होते हैं। इसमें कांगड़ा टी, ग्रीन टी और इंस्टेंट टी जैसी किस्में शामिल हैं। हर्बल या पौधों से बने किसी भी पेय को 'टी' कहना नियमों के खिलाफ है।

किन उत्पादों पर जताई आपत्ति

निरीक्षण में पाया गया कि कई कंपनियां 'हर्बल टी', 'रूइबोस टी' और 'फ्लावर टी' जैसे नामों से ऐसे उत्पाद बेच रही हैं, जो चाय की पत्ती से नहीं बने हैं। प्राधिकरण ने कहा कि ऐसे उत्पाद 'टी' की श्रेणी में नहीं आते और इस तरह की लेबलिंग उपभोक्ताओं को गुमराह करती है, जो खाद्य सुरक्षा कानून का उल्लंघन है।

ई-कॉमर्स कंपनियों को भी निर्देश

यह आदेश केवल उत्पादकों तक सीमित नहीं है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, आयातक, पैकर और विपणन से जुड़े सभी खाद्य व्यापारियों को नियमों का पालन करना होगा। राज्य खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को भी इस पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उपभोक्ताओं के लिए क्या मायने

इस कदम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को स्पष्ट और सही जानकारी देना है। अब हर्बल या पौधों से बने पेय को 'टी' के नाम से बेचना मुश्किल होगा, जिससे खरीदारों को यह आसानी से समझ में आएगा कि वे वास्तव में क्या खरीद रहे हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सिविल जज परीक्षा याचिकाएं खारिज की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सिविल न्यायाधीश प्रतियोगी मुख्य परीक्षा-2022 में शामिल दो महिलाओं सहित तीन याचिकाकर्ताओं की याचिकाएं खारिज कर दीं, जिनमें उन्होंने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन और अंकों में सुधार की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं ने आरटीआई के जरिए मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं उपलब्ध न कराने को अवैध और संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ए) और 21 के तहत उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया था।

असाधारण उपाय और अधिकार क्षेत्र की सीमा

पीठ ने स्पष्ट किया कि याचिका न्यायालय एक असाधारण उपाय है और अनुच्छेद 226 के तहत इसे इस्तेमाल किया जा सकता है, जब स्पष्ट हो कि अन्यथा न्याय नहीं होगा। हालांकि, यदि उत्तर की सटीकता पर विवाद नहीं है, तो सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में याचिका न्यायालय हस्तक्षेप नहीं करता।

पीठ ने परीक्षा की पवित्रता पर जोर दिया

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए. अंखड की पीठ ने कहा कि हजारों उम्मीदवारों की प्रतियोगिता में याचिका दायर करना न्यायालय के लिए गंभीर चुनौती है। यदि कोई उम्मीदवार कट-ऑफ से थोड़े अंक कम होने के कारण मूल्यांकन में गलती का दावा करता है, तब भी परीक्षा की पवित्रता बनाए रखना आवश्यक है और हर संदेह के लिए याचिका जारी नहीं की जा सकती।

सुप्रीम कोर्ट के 'तीर्थ सारथी मुखर्जी' मामले का हवाला

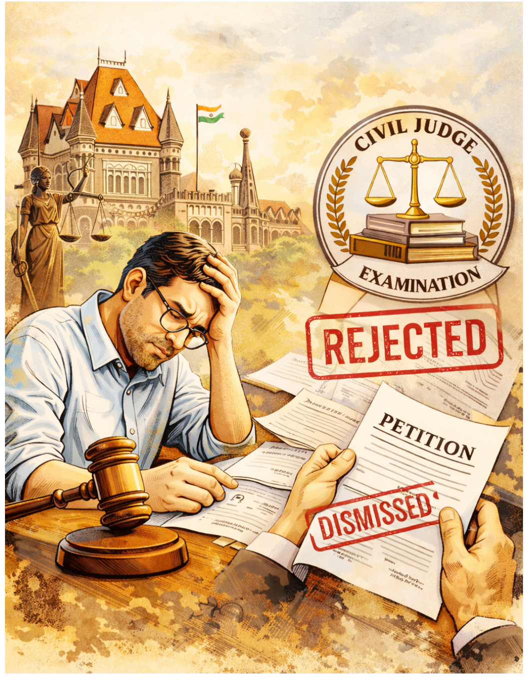

पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के 'तीर्थ सारथी मुखर्जी' मामले का उल्लेख किया, जिसमें सही उत्तर को गलत अंक देने या मान्यता न देने जैसी स्थितियों में न्यायालय हस्तक्षेप कर सकता है। इसके बावजूद, किसी भी संदेह को परीक्षा संस्था के पक्ष में हल करना चाहिए और न्यायिक अनुशासन बनाए रखना प्राथमिकता है।

याचिकाकर्ताओं की मांगों पर अदालत का फैसला

तीन याचिकाओं में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग से मेरिट सूची और उत्तर पुस्तिकाओं की प्रतियां प्रदान करने की मांग की गई थी। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने यह साबित करने में विफल रहे कि उन्हें मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं प्रदान न करने से उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है, इसलिए अदालत ने सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया।

पीडब्ल्यूडी जालसाजी मामले में गिरफ्तारी

डीबीडी संवाददाता । पालघर

पालघर की अदालत ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से जुड़े 111.63 करोड़ रुपये के जाली चेक मामले में दो आरोपियों को 29 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। यह मामला तब सामने आया जब यज्ञेश दिनकर अंभिरे और निर्माण कंपनी के मालिक नीलेश रमेश पडवाले ने बैंक में चेक कैश कराने की कोशिश की, जबकि पीडब्ल्यूडी ने वह चेक कभी जारी ही नहीं किया था।

अपराध दर्ज और जमानत

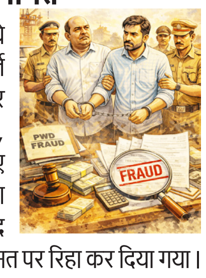

जव्हार थाने में कार्यकारी अभियंता नितिन भोये ने पडवाले और अंभिरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी और अन्य अपराधों के आरोप लगाए गए। दोनों को 29 नवंबर को गिरफ्तार किया गया और छह दिनों की पुलिस हिरासत के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया, बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया।

पुलिस हिरासत का पुनरीक्षण और उच्च न्यायालय की मंजूरी

पालघर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने भिवंडी अतिरिक्त जिला और सत्र अदालत में पुनरीक्षण याचिका दायर कर पुलिस हिरासत का अनुरोध किया। अदालत ने याचिका स्वीकार की, लेकिन आरोपियों ने इसे बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती दी। 22 दिसंबर को उच्च न्यायालय ने भिवंडी अदालत के आदेश को बरकरार रखा और न्यायिक मजिस्ट्रेट, जव्हार ने 24 दिसंबर को दोनों आरोपियों को 29 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

न्यूज ब्रीफ

आवासीय परिसर के पास दिखा तेंदुआ

ठाणेः गुरुवार को पोखरण रोड नंबर 2 पर एक आवासीय परिसर के पास एक तेंदुआ देखा गया। इसे एक महिला ने झाड़ियों में बैठा देखा और मोबाइल से वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तेंदुआ वहां नहीं मिला। वन विभाग ने सुरक्षा की दृष्टि से इलाके में जागरूकता अभियान चलाया और नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की। टीम ने निवासियों को बताया कि तेंदुआ आने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। इसके अलावा वन विभाग ने कैमरे और पिंजरे भी लगाए ताकि तेंदुए का पता लगाया जा सके। यह क्षेत्र संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के येउर जंगल से महज 500–600 मीटर की दूरी पर स्थित है। वन विभाग का अनुमान है कि तेंदुआ वहीं से आया हो सकता है। फिलहाल, तेंदुआ नहीं मिला है और अधिकारियों का मानना है कि वह वापस जंगल की ओर चला गया होगा।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

मुंबई। भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गुरुवार को मुंबई स्थित लोकभवन में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तीन दिवसीय मुंबई दौरे पर हैं।

आवासीय इमारत में आग,40 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मुंबई। मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में गुरुवार को एक 23 मंजिला रिहायशी इमारत में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। अग्निशमन विभाग ने लगभग 40 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला। इसमें किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। 14वीं मंजिल पर स्थित फिल्म निर्माता संदीप सिंह का फ्लैट भी आग की जद में आ गया। वह कुछ दिन पहले ही एक ऑपरेशन के बाद घर लौटे हैं। घटना के बाद अभिनेत्री अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन एहतियात के तौर पर उन्हें अपने घर ले गए। एक अधिकारी ने बताया कि सोरेंटो टॉवर में सुबह लगभग 10 बजे आग लग गई थी। अग्निशमन की कई टीमों ने लगभग डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया। आग से 10वीं और 21वीं मंजिल के बीच इलेक्ट्रिक उपकरण और फर्नीचर का सामान खाक हो गया। 12वीं, 13वीं और 14वीं मंजिल पूरी तरह जल गईं।

कांदिवली पूर्व में सोना खरीदने के नाम पर ठगी

मुंबई। कांदिवली-पूर्व के चारकोप इलाके में एक परिवार के साथ सोने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। परिवार के अनुसार, दो बुजुर्ग महिलाओं ने पहले उनका भरोसा जीता और असली सोने के सिक्के दिखाकर उनसे 6 लाख रुपए ले लिए और फरार हो गईं। शिकायतकर्ता परिवार का कहना है कि महिलाएं पिछले छह महीनों से इलाके में डेरी उत्पाद बेच रही थीं और इसी के जरिये उन्होंने परिवार का विश्वास हासिल किया। शिकायतकर्ता मीनादेवी ने बताया कि दोनों महिलाएं डेरी उत्पाद जैसे देसी घी, दही और छांछ बेचती थीं और हफ्ते में 2-3 दिन उनके घर आती थीं। महिलाओं ने यह दावा किया कि वे पालघर में रहती हैं और वहां कई प्लाट खरीदे हैं।

केमिकल प्लांट को लेकर विवाद

विधायक रोहित पवार ने किया जहरीले रसायन निकलने का दावा

डीबीडी संवाददाता । रत्नागिरी

रत्नागिरी जिले में हाल ही में शुरू हुए एक केमिकल प्लांट को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने आरोप लगाया है कि इस प्लांट में ऐसी इटालियन कंपनी की मशीनरी लगाई गई है, जो यूरोप में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों के कारण बदनाम रही है। उनका दावा है कि इस प्लांट से अब वही खतरनाक रसायन निकल रहे हैं, जो लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर कहा कि रत्नागिरी के एमआईडीसी क्षेत्र में लक्ष्मी ऑर्गेनिक केमिकल्स द्वारा लगाए गए प्लांट में इटली की विवादित कंपनी 'मितेनी' की मशीनरी इस्तेमाल की गई है। उनका कहना है कि इटली के विसेंजा इलाके में इसी कंपनी के पीएफएएस रसायनों से जलाशय दूषित हुआ था, जिससे करीब तीन लाख लोग प्रभावित हुए। जनता के विरोध के बाद वहां कंपनी को बंद करना पड़ा और वही मशीनरी भारत लाकर यहां लगा दी गई।

पीएफएएस रसायन क्यों खतरनाक?

पीएफएएस यानी पर और पॉली फ्लोरो एल्काइल सब्सटेंस ऐसे सिंथेटिक रसायन हैं, जो लंबे समय तक पर्यावरण में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इनका संबंध कैंसर, हार्मोनल गड़बड़ी और अन्य गंभीर बीमारियों से जोड़ा जाता है। रोहित पवार ने सवाल उठाया कि जब भारत में पीएफएएस को नियंत्रित करने के लिए कोई स्पष्ट कानून नहीं है, तब इतनी खतरनाक इंडस्ट्री को अनुमति कैसे दी गई।

मामले में क्या बोली सरकार?

मामले पर महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि रत्नागिरी के लोटे परशुराम एमआईडीसी क्षेत्र में लगे इस प्लांट में फिलहाल विवादित रसायन का उत्पादन नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि मीडिया रिपोर्ट्स के बाद महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से जानकारी मांगी गई थी, जिसमें बताया गया कि अब तक ऐसे रसायन नहीं बनाए गए हैं। उद्योग मंत्री ने कहा कि यह भी जांच की जा रही है कि इटली से लाई गई मशीनरी के लिए जरूरी मंजूरियां ली गई थीं या नहीं। एमपीसीबी ने इस मामले में कंपनी को नोटिस जारी कर दिया है। सरकार का कहना है कि कोंकण क्षेत्र में किसी भी कीमत पर पर्यावरण या लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। वहीं विपक्ष मांग कर रहा है कि पूरे मामले की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच हो।

घोड़बंदर मार्ग चौड़ीकरण पर स्थानीय विरोध

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के घोड़बंदर मार्ग को सर्विस रोड से मेन रोड से जोड़कर चौड़ा करने का काम लोकल लोगों के विरोध के बावजूद जारी है। आज हीरानंदानी पार्क 1 के लोग सड़कों पर उतर आए और अपने गुस्से का इजहार किया। इस मामले में विधायक संजय केलकर ने इसे गैरकानूनी बताते हुए तुरंत एमएमआरडीए अधिकारियों को बुलाया और उन्हें लोगों को भरोसे में लिए बिना काम शुरू न करने की हिदायत दी। फिलहाल, काम रोक दिए जाने से तनाव कुछ हद तक कम हो गया है।

विरोध प्रदर्शन और अधिकारियों को चेतावनी

आज जब हीरानंदानी पार्क 1 के सामने चौड़ीकरण का काम जारी था, तो स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और विरोध किया। विधायक संजय केलकर को इस बात की जानकारी मिलने पर उन्होंने तुरंत लोगों की बात सुनी और संबंधित अधिकारियों को बुलाकर निर्देश दिया कि किसी भी काम को शुरू करने से पहले लोगों को भरोसे में लिया जाए। इसके बाद कार्य को रोक दिया गया और तनाव कम हुआ।

तीन महीने से जारी सड़क चौड़ीकरण और स्थानीय असंतोष

घोड़बंदर मार्ग पर सर्विस रोड और मेन रोड को जोड़कर हाईवे चौड़ा करने का काम पिछले तीन महीने से चल रहा है। इस रोड के किनारे बसे हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, दुकानें और स्कूल इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। इससे पहले स्थानीय लोगों ने विरोध मीटिंग भी की थी, जिसमें विधायक संजय केलकर ने उनकी बात सुनी और उनके विचार एमएमआरडीए अधिकारियों तक पहुँचाए। केलकर ने स्पष्ट किया कि सर्विस रोड को मेन रोड से जोड़ना गैरकानूनी है, फिर भी प्रशासन ने चौड़ीकरण का काम रोकने में देरी की।

कल्याण डोंबिवली में महायुति समन्वय समिति का गठन

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण डोंबिवली नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा और शिवसेना (एकनाथ शिंदे) ने स्थानीय स्तर पर पदाधिकारियों और पूर्व वरिष्ठ पार्षदों की एक समन्वय समिति बनाई है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य सीट आवंटन, जनसभाओं और अन्य चुनावी गतिविधियों में दोनों दलों के बीच समन्वय सुनिश्चित करना है। समिति की सूची में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और डोंबिवली विधायक रवींद्र चव्हाण, पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, पूर्व मंत्री जगन्नाथ पाटिल, पूर्व विधायक नरेंद्र पवार समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं, जबकि शिवसेना शिंदे समूह से गोपाल लांडगे, राजेश मोरे, विश्वनाथ राणे, रवि पाटिल, नीलेश शिंदे और महेश गायकवाड़ को जगह मिली है।

अरविंद मोरे का बहिष्कार

समिति में कल्याण जिले के शिवसेना प्रमुख अरविंद मोरे को शामिल न किए जाने से उनके समर्थक नाराज हैं। पिछले दो महीनों में मोरे ने भाजपा पर लगातार कटाक्षपूर्ण बयान दिए, जिससे महायुति में फूट पड़ने की आशंका जताई गई। मोरे ने खुले मंच पर अपनी ताकत दिखाने और महापौर पद शिवसेना के पास रहने की बात कही थी। उनके भाषण को बीच में ही काटने और समिति से बहिष्कृत करने के पीछे यही कारण माना जा रहा है।

गांजा व अवैध पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

आगामी चुनावों के मद्देनजर राज्य में लागू आदर्श आचारसंहिता के तहत कानून-व्यवस्था बनाए रखने और निष्पक्ष, निर्भय चुनाव संपन्न कराने के लिए ठाणे पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अवैध हथियार और नशे के कारोबार में लिप्त तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत भिवंडी क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने अहम सफलता हासिल की है।

गुप्त सूचना पर क्राइम ब्रांच का जाल

24 दिसंबर 2025 को क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को सूचना मिली कि आरीफ सिद्दीकी नामक युवक गायत्रीनगर इलाके में गांजा बेचने आने वाला है। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे के नेतृत्व में सहायक पुलिस निरीक्षक मिथुन भोईर, पुलिस उप निरीक्षक रविंद्र बी. पाटील और टीम ने न्यू आज़ाद नगर, फैज़-ए-आम हाईस्कूल के पास सटीक जाल बिछाकर कार्रवाई की।

गांजा और हथियार बरामद, मामला दर्ज

पुलिस ने मौके से आरोपी आरीफ अबरार अहमद सिद्दीकी (19), निवासी शांतिनगर भिवंडी को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 904 ग्राम गांजा, एक माउज़र पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 20 हजार 600 रुपये है। आरोपी के खिलाफ शांतिनगर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट, शस्त्र अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच क्राइम ब्रांच यूनिट-2 कर रही है।

मुंबई पुलिस का एक्शन

4,000 लीटर अवैध शराब किए जब्त

मुंबई। नए साल और आगामी बीएमसी चुनाव को ध्यान में रखते हुए मुंबई पुलिस ने अपनी सुरक्षा और कार्रवाई की तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 43,000 लीटर अवैध शराब जब्त की है। पुलिस का कहना है कि न्यू ईयर पर शराब की मांग बढ़ जाती है और कई बार यह बिना किसी कानूनी लाइसेंस के बेची जाती है।हाल ही में पुलिस ने नेहरू नगर, देवनार, आरसीएफ, माहिम और शिवाजी नगर सहित सात स्थानों पर छापेमारी की। इन ऑपरेशनों में भारी मात्रा में देसी शराब गैरकानूनी रूप से बेची जा रही थी। पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई अवैध शराब की बिक्री को रोकने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई है।

एक ही दिन तीन नाबालिग लापता

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में नाबालिग बच्चों के गायब होने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। शहर के अलग-अलग इलाकों से एक ही दिन दो लड़कियों और एक लड़के सहित तीन नाबालिगों के लापता होने से हड़कंप मच गया है। पुलिस द्वारा मामले दर्ज किए जाने के बावजूद बच्चों का पता न चल पाने से अभिभावकों में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है, वहीं बढ़ती घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

तीन थानों में अपहरण के मामले दर्ज

पुलिस के अनुसार, कोनगांव थाना क्षेत्र की 16 वर्षीय लड़की मंगलवार शाम बिना बताए घर से गायब हो गई, जिसके अपहरण की आशंका पर परिजनों ने मामला दर्ज कराया है। इसी तरह शांतिनगर थाना क्षेत्र की 15 वर्षीय लड़की 20 दिसंबर की शाम बाथरूम जाने के लिए घर से निकली थी, जो वापस नहीं लौटी, इस पर 24 दिसंबर को अपहरण का केस दर्ज किया गया। वहीं भिवंडी शहर थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग लड़का 24 दिसंबर की शाम ट्यूशन के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं आया, जिसके बाद परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस तीनों मामलों की समानांतर जांच कर रही है, हालांकि पुलिस का कहना है कि अधिकतर मामलों में बच्चे स्वयं घर छोड़ देते हैं और उन्हें खोजकर परिजनों को सौंप दिया जाता है।

पोलिंग स्टेशन स्टाफ के लिए ट्रेनिंग का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे मनपा आम चुनाव 2025–26 के तहत 15 जनवरी 2026 को होने वाली मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए पोलिंग स्टेशनों पर नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों की पहली ट्रेनिंग शनिवार से शुरू होगी। यह जानकारी चुनाव अधिकारी एवं आयुक्त सौरभ राव ने दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को पोलिंग ड्यूटी के आदेश मिले हैं, उनके लिए यह प्रशिक्षण अनिवार्य है। ठाणे मनपा के 33 वार्डों में होने वाले मतदान के लिए पोलिंग स्टेशन प्रेसिडेंट और पोलिंग ऑफिसर 1, 2 व 3 के लिए 27 से 29 दिसंबर 2025 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

2013 पोलिंग स्टेशन, 10,120 कर्मियों को मिलेगा प्रशिक्षण

ठाणे शहर में कुल 2013 पोलिंग स्टेशन हैं, जिनके लिए 10,120 अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। मनपा चुनाव विभाग ने इसके लिए 2,530 प्रशिक्षण टीमें गठित की हैं। राम गणेश गडकरी रंगायतन और डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में प्रतिदिन दो सत्रों—सुबह 9 से दोपहर 12 बजे और दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक—में प्रशिक्षण दिया जाएगा। चुनाव अधिकारी व उपायुक्त उमेश बिरारी के अनुसार, 27 से 29 दिसंबर के दौरान दोनों केंद्रों पर कुल 10,120 अधिकारियों और कर्मचारियों को मतदान प्रक्रिया से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

दुकान और घर में घुसकर 5.89 लाख की चोरी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी पुलिस उपायुक्त क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ताजा मामलों में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में दुकान और घरों के ताले तोड़कर कुल 5 लाख 89 हजार रुपये के गहने, नकदी और खाद्य सामग्री चोरी कर ली। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

काल्हेर और सरवली गांव में चोरी की वारदात

पुलिस के अनुसार, भिवंडी तालुका के काल्हेर गांव स्थित मढवी कंपाउंड में कांजी रावरिया की 'लक्ष्मीनारायण ट्रेडिंग कंपनी' नामक किराना दुकान की पिछली दीवार की खिड़की की लोहे की जाली तोड़कर चोर अंदर घुसे और तेल, घी, काजू, बादाम, सूखे मेवे व नकदी सहित 2,74,250 रुपये का माल चुरा ले गए, जिस पर नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी घटना कोनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के सरवली गांव में हुई, जहां सोमनाथ कालीराम चौधरी और उनके चाचा रमेश लक्ष्मण चौधरी के घरों के दरवाजों का कुंडा तोड़कर चोरों ने 3,15,000 रुपये के सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी कर ली, जिस पर कोनगांव पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुजुर्ग दादी को पोते से मिलने का दिया आदेश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 90 वर्षीय बीमार दादी की याचिका पर फैसला सुनाते हुए उनकी बहू को आदेश दिया है कि वह अपने पोते को क्रिसमस की छुट्टियों में मुंबई लाए ताकि दादी उससे मिल सके। याचिका में बताया गया कि महिला दिल्ली में अपने 14 वर्षीय पोते के साथ रहती है और पति के निधन के बाद लंबे समय से पोते से नहीं मिल पाई थी। अदालत ने कहा कि जीवन के इस पड़ाव पर उनकी एकमात्र इच्छा अपने पोते से मिलने की है और इसे पूरा करना बेहद जरूरी है।

अदालत ने निर्धारित की मुलाकात की प्रक्रिया

न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की पीठ ने याचिका स्वीकार करते हुए निर्देश दिए कि बच्चे को छुट्टियों के दौरान मुंबई लाया जाए और मिलने के लिए कुछ घंटे निर्धारित किए जाएं। इसके अलावा, बच्चे के दिल्ली लौटने से पहले एक और मुलाकात की सुविधा दी जाए। अदालत ने यह भी कहा कि मां यह सुनिश्चित करे कि बच्चा हर महीने के दूसरे या चौथे रविवार को अपनी दादी से मिल सके और कोर्ट के निर्देशानुसार संपर्क विवरण और पता उपलब्ध कराया जाए।

दादी के प्रयास और बहू का विरोध

याचिकाकर्ता दादी ने वर्षों तक अपने पोते से मिलने के प्रयास किए, जिसमें 2015 में जन्मदिन पर आमंत्रण और 2024 में पोते की तस्वीर मांगना शामिल था, लेकिन दोनों बार बहू ने मना कर दिया। याचिका में यह भी बताया गया कि दादी का बेटा 2007 में शादी करने के बाद 2013 में निधन हो गया, जिसके बाद बहू अपने बेटे के साथ दिल्ली में रहने लगी और दादी को पोते से मिलने नहीं दिया। अदालत ने दादी की याचिका पर विचार करते हुए उनकी बहू को आदेश दिया कि वे पोते को दादी से मिलवाएं और उनकी लंबे समय से पूरी न होने वाली इच्छाओं को पूरा करें।

महानगरपालिकाओं में 'वंचित' के साथ गठबंधन को लेकर चर्चा शुरू

कांग्रेस की राज्य चयन समिति की बैठक तिलक भवन में संपन्न

देवेंद्रनाथ जैस्वार | मुंबई

राज्य में होने वाले महानगरपालिका चुनावों में कांग्रेस पार्टी वंचित बहुजन आघाड़ी के साथ गठबंधन के लिए प्रयास शुरू कर रही है। कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बताया कि नगरपालिका चुनावों में गठबंधन का निर्णय स्थानीय नेतृत्व के अधिकार क्षेत्र में है, और वंचित भी अपने स्थानीय नेताओं को यही अधिकार दे चुका है। दोनों पक्षों के नेताओं के बीच इस दिशा में अच्छा संवाद और ईमानदार प्रयास जारी हैं।

प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के नेतृत्व में कांग्रेस की राज्य चयन समिति की बैठक तिलक भवन, दादर में संपन्न हुई। बैठक

में विधानमंडल कांग्रेस पार्टी के नेता विजय वडेट्टीवार, विधान परिषद के नेता सतेज पाटील, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, पूर्व मंत्री चंद्रकांत हंडोरे, नसीम खान सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई और सेवादल के शीर्ष नेतृत्व ने भी इस बैठक में भाग लिया।

उम्मीदवार चयन और टिकट वितरण पर चर्चा

सपकाल ने मीडिया से बातचीत में बताया कि महानगरपालिका चुनाव 15 तारीख को घोषित हुए थे और उसी समय से कांग्रेस ने चुनाव प्रबंधन और उम्मीदवार तय करने की रणनीति तैयार की थी। राज्य चयन समिति ने 28 महानगरपालिकाओं के लिए जिला कांग्रेस कमिटियों की सिफारिशों का अध्ययन किया और सोशल इंजीनियरिंग को ध्यान में रखते हुए टिकट वितरण पर विस्तृत चर्चा की।

मुंबई महानगरपालिका में गठबंधन प्रक्रिया

मुंबई महानगरपालिका में गठबंधन की चर्चा में सपकाल स्वयं शामिल नहीं हैं। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव यू. बी. वेंकटेश वंचित बहुजन आघाड़ी के साथ बातचीत कर रहे हैं। कांग्रेस ने इस प्रक्रिया के लिए तीन नेताओं को संवाद की जिम्मेदारी सौंपी है ताकि गठबंधन की दिशा में एक व्यवस्थित प्रयास सुनिश्चित किया जा सके।

महाविकास आघाड़ी और अन्य दलों के साथ स्थिति

महाविकास आघाड़ी और इंडिया आघाड़ी के घटक दलों के साथ उद्धव ठाकरे की शिवसेना के चर्चा जारी हैं। सपकाल ने कहा कि संगठन के नेताओं को इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं और किसी अन्य पार्टी से गठबंधन का प्रस्ताव आने पर उसका विचार किया जाएगा।

डेटिंग ऐप के जरिए महिला ने की धोखाधड़ी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

एक 52 वर्षीय व्यवसायी के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। लॉजिस्टिक्स और मार्केटिंग का व्यवसाय करने वाले पीड़ित ने शादी के उद्देश्य से एक डेटिंग ऐप पर प्रोफाइल बनाया था। यहां उसकी मुलाकात खुद को जुहू की निवासी बताने वाली 'प्रियंका गुप्ता' नाम की महिला से हुई। महिला ने खुद को तलाकशुदा और एक बेटी की मां बताकर व्यवसायी का

बिजनेसमैन को लगाया 53 लाख का चूना

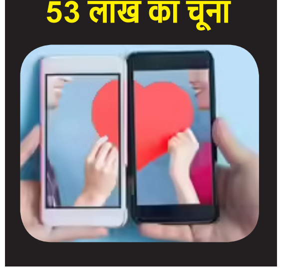

भरोसा जीता और व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू कर दी।

जांच में जुटी पुलिस

इस पर व्यवसायी को एहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हुई है, तो व्यवसायी ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस अधिकारी ने बताया कि धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अपराधों के लिए दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित ने क्या कहा?

शिकायतकर्ता के अनुसार, महिला ने उसे बताया कि वह किसी व्यवसायी से शादी करना चाहती है, न कि किसी नौकरीपेशा व्यक्ति से। इसी बातचीत के दौरान उन लोगों ने जल्द ही शादी करने का फैसला किया। इस बीच 13 अक्टूबर को महिला ने शिकायतकर्ता को बताया कि वह मार्केट एक्सेस कंपनी नाम की एक फर्म के जरिए सोने की ट्रेडिंग करती है और उसे भी इसमें निवेश करना चाहिए क्योंकि इसमें अच्छा रिटर्न मिलता है।

महिला के कहने पर किया निवेश

शुरुआत में हिचकिचाने के बाद शिकायतकर्ता ने महिला के कहने पर निवेश करने के लिए मान गया। इसके बाद महिला ने एक कंपनी के प्लेटफॉर्म पर उसके लिए एक अकाउंट बनाया और कुछ ही समय में उसने 53 .30 लाख रुपए जमा कर दिए।

व्यवसायी के साथ हुई ठगी

महिला के बनाए गए फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर पीड़ित का वर्चुअल बैलेंस बढ़कर 1.08 करोड़ रुपए दिखने लगा, लेकिन जब उसने राशि निकालने की कोशिश की, तो कंपनी के अधिकारियों ने उससे कुल रकम का 30 प्रतिशत और जमा करने की मांग की। चूंकि वह पैसे का इंतजाम नहीं कर सका, इसलिए उसने अपने मूल निवेश वापस मांगा।

फर्जी आईपीएस अफसर बनकर 8 लाख की ठगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शहर में एक चौंकाने वाला ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति ने खुद को भारतीय पुलिस सेवा (IPS) का अधिकारी बताकर एक रियल एस्टेट कारोबारी से 8 लाख रुपए की ठगी कर ली। पुलिस ने मुख्य आरोपी निलेश काशीराम राठोड़ को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके दो साथी सचिन कृष्णा सावंत और करण सिंघानिया अभी फरार हैं। मामला मुंबई के दहिसर इलाके से जुड़ा हुआ है और एमएचबी पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार, राठोड़ ने अपने आप को IPS अधिकारी बताकर केंद्र

सरकार के विभागों में ऊंची पहुंच होने का दावा किया। उसने दहिसर निवासी रियल एस्टेट कारोबारी प्रकाश उदेशी को भरोसे में लिया और वादा किया कि वह उसके बेटे को सेंट्रल एक्साइज विभाग में नौकरी दिलवाएगा। इसके एवज में आरोपियों ने 8 लाख रुपए की मांग की और उदेशी ने विश्वास कर यह राशि उन्हें दे दी।

पुलिस की कार्रवाई और आम जनता के लिए चेतावनी

जांच के दौरान पुलिस ने निलेश राठोड़ को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके साथी अभी फरार हैं। फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करने की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी सरकारी नौकरी के नाम पर पैसे मांगने वालों से सतर्क रहें और ऐसे मामलों की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

फर्जी दस्तावेजों से हुआ खेल बेनकाब

दो साल बीत जाने के बावजूद नौकरी नहीं मिलने पर प्रकाश उदेशी को शक हुआ और उसने आरोपियों द्वारा दिए गए दस्तावेजों की जांच कराई, जो पूरी तरह फर्जी साबित हुए। ठगी का एहसास होने के बाद उदेशी ने एमएचबी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर निलेश राठोड़ और उसके साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पति-पत्नी के लिए एक साल का समझौता किया मंजूर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पति और पत्नी को किराए के फ्लैट में एक साल तक साथ रहने का समझौता कराया है। कोर्ट ने आदेश दिया कि यदि पति पत्नी के साथ नहीं रहते या समझौते की शर्तें तोड़ते हैं, तो उन्हें अपनी पत्नी को डेढ़ करोड़ रुपए और हर महीने 75 हजार रुपए गुजारा भत्ता देना होगा। वहीं, पत्नी एक साल की अवधि के बाद एकतरफा रूप से पति के साथ रहने से इनकार करती है, तो

दोनों आपसी सहमति से तलाक के लिए आवेदन करेंगे और इस स्थिति में पत्नी को किसी भी प्रकार का गुजारा भत्ता या मुआवजा नहीं मिलेगा।

भरण-पोषण और गुजारा भत्ता की शर्तें

पीठ ने कहा कि पति को लाइसेंस फीस का भुगतान सुनिश्चित करना होगा और फ्लैट देने वाले को एडवांस या जॉइंट फिक्स्ड डिपॉजिट अकाउंट में राशि जमा करनी होगी। पति-पत्नी कम से कम एक साल तक साथ रहेंगे और सभी लीव एंड लाइसेंस की शर्तों का पालन करेंगे। यदि वे एक साल के बाद अलग रहने का निर्णय लेते हैं, तो ज्यूडिशियल सेपरेशन होगा।

फ्लैट और देखभाल का प्रावधान

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति संदेश डी. पाटिल की पीठ ने याचिकाकर्ता जेनिस आशीष ठाकर के मामले में कहा कि पति को वर्ली में लीव एंड लाइसेंस बेसिस पर फ्लैट लेना होगा ताकि वह अपनी लगभग 84 वर्षीय मां की देखभाल कर सके। यह फ्लैट 36 महीने के लिए मिलेगा, जिसमें 12 महीने का लॉक-इन पीरियड होगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पति की मां की देखभाल हमेशा प्राथमिकता रहेगी और पत्नी को पति के परिवार और दोस्तों के साथ संबंधों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करना होगा।

मुंबई कांग्रेस के पास उम्मीदवारों का टोटा

227 वार्डों में से 30 से अधिक ऐसे वार्ड बताए जा रहे हैं, जहां पार्टी के पास कोई दमदार प्रत्याशी नहीं

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बीएमसी चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन मुंबई कांग्रेस को उम्मीदवारों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। महानगर के 227 वार्डों में से 30 से अधिक ऐसे वार्ड बताए जा रहे हैं, जहां पार्टी के पास कोई दमदार प्रत्याशी नहीं है। स्थिति खासतौर पर उत्तर-पूर्व मुंबई में ज्यादा गंभीर मानी जा रही है, जहां उम्मीदवारों की तलाश लगातार जारी है।

मुंबई कांग्रेस कार्यालय में कुल 670 इच्छुक उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। इनमें 601 आवेदन सामान्य, महिला, ओबीसी और ओबीसी महिला वर्ग से, जबकि 69 आवेदन एससी-एसटी वर्ग से प्राप्त हुए हैं। इसके बावजूद कई वार्डों में एक भी आवेदन नहीं आया, जिससे पार्टी संगठन की जमीनी कमजोरी उजागर हो रही है।

उत्तर, उत्तर-पश्चिम और मध्य मुंबई में सबसे खराब हालात

भांडुप विधानसभा के वार्ड 112, घाटकोपर पूर्व के वार्ड 132, घाटकोपर पश्चिम के वार्ड 126, 127, 128, 129 और 160 में कोई आवेदन नहीं मिला है। मानखुर्द-शिवाजीनगर, विक्रोली, बोरीवली, चारकोप और दहिसर विधानसभा क्षेत्रों के कई वार्डों में भी कांग्रेस प्रत्याशी नहीं है। नॉर्थ-वेस्ट मुंबई में अंधेरी पूर्व, जोगेश्वरी और चेंबूर क्षेत्र के कुछ वार्डों में भी यही स्थिति बनी हुई है।

दक्षिण मुंबई में भी संगठन कमजोर, नेतृत्व चिंतित

दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल, शिवड़ी और वर्ली विधानसभा क्षेत्रों के कई वार्डों में उम्मीदवारों का टोटा है। पार्टी के कमजोर बूथ नेटवर्क, स्थानीय नेतृत्व की कमी और निर्णय प्रक्रिया में असमंजस का असर साफ नजर आ रहा है।

अंदरखाने तैयार हो रही उम्मीदवारों की सूची

भाजपा-शिंदे गुट और मनसे-उद्धव गुट नहीं करना चाहते जल्द उम्मीदवारों के नाम का ऐलान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आगामी मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले सभी प्रमुख राजनीतिक दल—भाजपा, शिवसेना (शिंदे), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और उद्धव गुट—सावधानीपूर्वक रणनीति अपना रहे हैं। फिलहाल किसी भी दल ने अपने उम्मीदवारों की सूची सार्वजनिक नहीं की है। इसकी वजह संभावित असंतोष और दल बदल की आशंका बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, कई सीटों पर दावेदारों की संख्या अधिक होने के कारण यदि नाम समय से पहले घोषित किए गए, तो नाराज नेता बगावती रुख अपना सकते हैं या अन्य पार्टियों में शामिल हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक उम्मीदवारों के नामों पर अंदरखाने

मंथन जारी है। सर्वे रिपोर्ट, स्थानीय समीकरण और जीत की संभावनाओं के आधार पर नाम तय किए जा रहे हैं। आधिकारिक घोषणा करने की बजाय सीधे उम्मीदवारों को फॉर्म देने की योजना बनाई जा रही है ताकि असंतोष और बगावत को कम किया जा सके। ज्यादा इच्छुक उम्मीदवारों की सीटों पर वरिष्ठ नेताओं को मामले को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है।

विधानसभा चुनाव में भी आखिरी समय में जारी हुई थी सूची

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह नई रणनीति नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी कई दलों ने उम्मीदवारों की सूची आखिरी समय में जारी की थी ताकि असंतोष और भगदड़ को रोका जा सके। उस समय शिंदे और अजित गुट ने उम्मीदवारों को फॉर्म निजी हेलीकॉप्टर के जरिए भेजा था, ताकि बागी उम्मीदवार फॉर्म ही भर न सकें और चुनावी तैयारी प्रभावित हो।

सीईटी प्रवेश परीक्षाओं में आधार और अपार आईडी अनिवार्य

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) सेल ने साल 2026 की प्रवेश परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को आधार प्रमाणीकरण और अपार आईडी अनिवार्य करने की घोषणा की है। सीईटी सेल के आयुक्त दिलीप सरदेसाई के अनुसार, पंजीकरण के दौरान उम्मीदवारों को अपने आधार कार्ड पर नाम, जन्मतिथि, नई तस्वीर, पता,

पिता का नाम और आधार से जुड़े मोबाइल नंबर जैसी जानकारियों को अपडेट रखना होगा। अपार आईडी भी सभी उम्मीदवारों के लिए आवश्यक होगी, इसलिए इसे पहले ही बना लेना जरूरी है।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष नियम

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी डिसएबिलिटी सर्टिफिकेट या यूडीआईडी (UDID) अनिवार्य किया गया है। इन्हें कॉमन एडमिशन प्रोसेस के दौरान प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा, दिव्यांग विद्यार्थियों को नाम, आधार, ताजा तस्वीर के साथ संस्थान द्वारा जारी बोनाफाइड सर्टिफिकेट और उच्चतम शैक्षणिक योग्यता का प्रमाणपत्र भी जमा करना होगा।

सीईटी प्रवेश परीक्षा का दायरा और महत्व

सीईटी सेल राज्य के 73 पाठ्यक्रमों के लिए 19 प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करता है, जिनमें इंजीनियरिंग, फार्मेसी, एमबीए, एलएलबी आदि शामिल हैं। इन परीक्षाओं के जरिए 4,000 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले होते हैं। पिछले साल 14 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने सीईटी प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था, जो इसकी व्यापकता और महत्व को दर्शाता है।

जाहीर नोटीस

हरवले व सापडले

मी, न्यूटन फर्नांडिस, इंडोस क्र. 14RL0012,जन्मतारीख: ०६/११ /१९८८ ,राहणार: ६१६, टोंका-२, कासारकोड, होन्नावर,कारवार, कर्नाटक – ५८१३४२,याद्वारे सर्वसामान्य जनतेस कळवितो की माझे इंजिन MEO CL-IV COCक्रमांक 95Z-28690,जे मुंबई येथून जारी करण्यात आले होते,ते दिनांक २०/११/ २०१८ रोजी हरवले आहे.

मोबाईल क्रमांक: ७०१९२३९१९३

एक रुपए भेजने के बहाने मोबाइल हैक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

साकीनाका इलाके में साइबर ठगों ने प्रधानमंत्री पोर्टल (पीएम पोर्टल) पर सुझाव देने वाले 71 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद सक्सेना के साथ 4.10 लाख रुपए की ठगी कर ली। ठगों ने उन्हें केवल एक रुपए भेजने का झांसा देकर उनका मोबाइल हैक किया और फिर बैंक खाते से बड़ी रकम निकाल ली। इस मामले में सक्सेना की

पीएम पोर्टल पर सुझाव देनेवाले रिटायर अधिकारी बने साइबर ठगी के शिकार

शिकायत पर साकीनाका पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीएम पोर्टल पर सुझाव देने के बाद हुआ हैकिंग

पुलिस के अनुसार, सक्सेना ने 12 दिसंबर को अयोध्या में मेडिकल सुविधाओं में सुधार के लिए फेसबुक पर पोस्ट किया और बाद में पीएम पोर्टल पर वही सुझाव दर्ज किया। 16 दिसंबर को उन्हें पीएम पोर्टल जैसी दिखने वाली लिंक भेजी गई, जिसमें केवल एक रुपए भेजने को कहा गया। जब सक्सेना ने यह रकम भेजी, तो उनके मोबाइल पर कई ओटीपी संदेश आने लगे और अगले दिन सुबह 11:29 से 11:39 बजे के बीच उनके बैंक खाते से तीन अलग-अलग लेनदेन के जरिए कुल 4.10 लाख रुपए निकाल लिए गए।

शिवसेना यूबीटी-मनसे और कांग्रेस के नाराज कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना यूबीटी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच गठबंधन की घोषणा के बाद दोनों दलों में असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। इसी नाराजगी के चलते गुरुवार को नासिक में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। इन सभी कार्यकर्ताओं को नासिक में मंत्री गिरीश महाजन ने औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल कराया।

इस अवसर पर मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं, जिससे अन्य दलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी में नए कार्यकर्ताओं के शामिल होने से पुराने कार्यकर्ताओं के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होगा और सभी को संगठन में उचित सम्मान मिलेगा।

यूबीटी नेताओं ने भी छोड़ा साथ

दिनकर पाटिल ने कहा कि वे अब तक शिवसेना यूबीटी के खिलाफ राजनीति करते रहे हैं, ऐसे में उनके साथ मिलकर काम करना उनके लिए संभव नहीं था। इसी तरह नासिक जिले में शिवसेना यूबीटी के स्थानीय नेता और पूर्व महापौर दिवाकर पांडे, यतीन वाघ और संजय चव्हाण ने भी पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देकर भाजपा में प्रवेश किया। दिवाकर पांडे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे के दौर से वे निष्ठा से काम कर रहे थे, लेकिन अब उनकी बात नहीं सुनी जा रही थी, इसलिए उन्होंने यह निर्णय लिया। इसके अलावा नासिक जिले के कांग्रेस नेता शाहू खैरे भी भाजपा में शामिल हो गए हैं।

गठबंधन के बाद मनसे में इस्तीफों की शुरुआत

उल्लेखनीय है कि बुधवार को उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में शिवसेना यूबीटी और मनसे के बीच गठबंधन का ऐलान किया था। इसके अगले ही दिन मनसे के प्रदेश महासचिव दिनकर पाटिल ने अपने पद और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश कर लिया।

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (WA),पश्चिम रेलवे, छठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग,मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008, ई-निविदाएँ **क्रम सं. 1. ई-निविदा सूचना सं.: BCT/25-26/286 दिनांक: 22/12/2025** आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य एवं स्थान: (i) उकाई सोनगढ़:** लूप लाइन संख्या 1 का सूरत दिशा की ओर 300 मीटर विस्तार, जिससे इसे पूर्ण मालगाड़ी लूप के रूप में उपयोग किया जा सके, साथ ही पूर्ण लंबाई के लिए प्लेटफॉर्म का विस्तार। **(ii) उधना – उकाई सोनगढ़ खंड:** ADEN/व्यारा अनुभाग में GM निरीक्षण के संबंध में विभिन्न सहायक सिविल कार्यों की मरम्मत, स्टेशन भवन एवं अन्य सेवा भवनों की पेंटिंग तथा झाड़ियों की सफाई का कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹6,79,49,867.85 **जमानत धनराशि (EMD):** ₹4,89,800/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 20.01.2026 को 15:00 बजे तक, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 20.01.2026 को 15:30 बजे. **क्रम सं. 2. ई-निविदा सूचना सं.: BCT/25-26/287 दिनांक: 22/12/2025 कार्य एवं स्थान: जोरावासन – सूरत खंड:** DEN/सेंट्रल के अधिकार क्षेत्र में दो वर्षों की अवधि के लिए रैग पिकिंग (कचरा बीनना) तथा मलबा, घास आदि की सफाई एवं हटाने का कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹37,09,732.68 **जमानत धनराशि (EMD):** ₹74,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 23.01.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 23.01.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 0929

लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

उप मुख्य विद्युत अभियंता (कार्य), पश्चिम रेलवे, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400 013, **ई-निविदा सूचना सं.: EL/WA/PL/2025-26/32, दिनांक: 20.12.2025** आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** एसी एवं नॉन-एसी कोचों की विभिन्न प्रकार की बैटरी सेटों का अनलोडिंग एवं लोडिंग, शिफ्टिंग, डिस्कनेक्टिंग, कनेक्टिंग तथा परीक्षण—विस्तृत कार्य-क्षेत्र के अनुसार। मात्रा: कार्य-क्षेत्र के अनुसार, **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 1,22,12,454.50, **ईएमडी:** 2,11,100/-, निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि व समय:** 02.01.2026 को 12:00 बजे तक, **निविदा खोलने की तिथि व समय:** 02.01.2026 को 12:30 बजे, अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट: www.ireps.gov.in 0926

लाइक करें : facebook.com/WesternRly

सार्वजनिक सूचना

वसई रोड स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 एवं 7 पर स्थित तीसरे उत्तरतम फुट ओवर ब्रिज की दक्षिणी सीढ़ी को बंद करने के संबंध में

एमआरवीसी (MRVC) द्वारा वसई रोड स्टेशन पर स्टेशन सुधार कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में, **वसई रोड स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 एवं 7 पर स्थित तीसरे उत्तरतम फुट ओवर ब्रिज** की दक्षिणी ओर की सीढ़ी को यात्रियों के लिए बंद करना आवश्यक है। उपरोक्त के मद्देनज़र, उक्त सीढ़ी **दिनांक 29.12.2025** से यात्रियों के लिए बंद रहेगी। हालांकि, यात्रियों की सुविधा हेतु 60 मीटर लंबाई का एक नया डेक एवं एक नई सीढ़ी उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in 0944

लाइक करें : facebook.com/WesternRly | Follow us on : X.com/WesternRly

संपादकीय

न्यूजीलैंड से डील

अमेरिका द्वारा अनुचित टैरिफ लगाने से भारतीय बाजारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंकाओं के बीच न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता सुखद ही है। माना जा रहा है कि दुनिया में अर्थव्यवस्थाओं के संरक्षणवाद तथा भू-राजनीतिक तनाव से उपजे आपूर्ति श्रृंखला के संकट के बीच इस समझौते का सिरे चढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ ही भारतीय कृषि व फल उत्पादकों के हितों की भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। जैसी कि हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों में गहरी चिंता है कि न्यूजीलैंड के सेब पर आयात शुल्क पचास से पच्चीस फीसदी करने से उनके हितों पर चोट लगेगी। उनकी आशंका है कि यदि अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौते होते हैं तो हिमाचली सेब बाजार में प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि जिस दौरान हिमाचली सेब की मार्केट में आवक होती है, उस दौरान यह शुल्क कम नहीं होना चाहिए। उनका मानना है कि इससे सेब की हाई-डेंसिटी खेती तथा कोल्ड स्टोरेज उद्योग पर भी बुरा असर पड़ेगा। वैसे इस करार का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार डील में भारत को लाभ मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दुगना करने का लक्ष्य रखा गया है, जो देश के व्यापक हित में हो सकता है। न्यूजीलैंड ने अगले पंद्रह वर्षों में भारत में बीस अरब डॉलर के निवेश करने का भरोसा दिलाया है। निस्संदेह, इस करार से उस नकारात्मक वातावरण को दूर करने में मदद मिलेगी, जो अमेरिका के एकतरफा टैरिफ लगाने से बना था। जिसके चलते अमेरिका को निर्यात करने वाले उत्पादक चिंता में थे और रोजगार के अवसरों में कमी की आशंका भी जतायी जा रही थी। सकारात्मक पहलू यह भी है कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की मार्च में भारत यात्रा के बाद सिर्फ नौ महीने में यह करार सिरे चढ़ा है। निस्संदेह, यह समझौता द्विपक्षीय आर्थिक हितों की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण कहा जा रहा है। जो निश्चय ही हमारी हिंद-प्रशांत आर्थिक रणनीति को संबल देगा। यह तथ्य भी विचारणीय है कि आजादी के कुछ साल बाद शुरू हुआ दोनों देशों का व्यापारिक लेनदेन बेहद उत्साहजनक नहीं रहा। जो बीते साल मुश्किल से दो अरब डॉलर तक पहुंच सका है। बहरहाल, अगले पांच साल में व्यापार को दुगना करने का संकल्प आशा जगाता है। भारत न्यूजीलैंड को फार्मास्यूटिकल, गुड्स, आईटी सेवाओं का निर्यात बढ़ा सकता है। कहा जा रहा है कि करार के बाद भारत की न्यूजीलैंड की उन्नत कृषि तकनीक तक पहुंच आसान होगी। यह भी कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के न्यूजीलैंड के अनुभव का लाभ भारत को मिल सकता है, लेकिन भारतीय किसानों के हितों की रक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि करार में भारतीय डेयरी उद्योग के हितों की रक्षा करने का भरोसा दिया गया है। दुनिया में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक देश भारत में न्यूजीलैंड के डेयरी सेक्टर को कोई छूट नहीं दी गई है। यहां उल्लेखनीय है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के अब तक सिरे न चढ़ने की एक बड़ी वजह डेयरी व कृषि क्षेत्र में भारतीय किसान व डेयरी उत्पादकों के हितों के चलते अमेरिकी दखल को हरी झंडी न देना ही है। बहरहाल, अमेरिका से व्यापार समझौते पर तनातनी के बावजूद भारत द्वारा हाल ही में ओमान के साथ आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद न्यूजीलैंड से एफटीए को सिरे चढ़ाना भारतीय निर्यात विविधता को बढ़ावा ही देगा। एक साल में तीन वैश्विक समझौतों का सिरे चढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये ऊर्जा का काम कर सकता है। वहीं इस माह की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। बहुत संभव है कि इन समझौतों के बाद अमेरिका से होने वाले मुक्त व्यापार समझौते में भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा। उम्मीद करें कि यूरोपीय यूनियन,कनाडा व इस्राइल से भी एफटीए के प्रयास सिरे चढ़े। लेकिन इसके साथ ही जरूरी है कि भारतीय किसानों, फल व दुग्ध उत्पादकों के हितों की रक्षा प्राथमिकता के आधार पर की जाए।

शख्सियत | उधम सिंह

प्रतिशोध से राष्ट्रसम्मान तक की अमर गाथा

शहीद-ए-आजम सरदार उधम सिंह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के उन विरल क्रांतिकारियों में हैं, जिनका जीवन अन्याय के विरुद्ध दीर्घकालिक संकल्प, धैर्य और निर्भीकता का प्रतीक है। 26 दिसंबर 1899 को पंजाब के सुनाम में शेर सिंह के रूप में जन्मे उधम सिंह का बचपन ही संघर्षों से भरा रहा।

माता-पिता का असमय निधन, अनाथालय में परवरिश और छोटी उम्र में जिम्मेदारियों का बोझ—इन सबने उनके भीतर अन्याय के प्रति तीखा प्रतिरोध गढ़ा। अनाथालय में दीक्षा के बाद उनका नाम उधम सिंह पड़ा, जिसका अर्थ ही "उथल-पुथल" है—मानो भविष्य की भूमिका का संकेत। 1919 का जलियांवाला बाग हत्याकांड उधम सिंह के जीवन का निर्णायक मोड़ बना। बैसाखी के दिन अमृतसर में निहत्थे लोगों पर हुई बर्बर गोलीबारी ने देश की आत्मा को झकझोर दिया। उधम सिंह उस दिन वहां मौजूद थे और घायलों को पानी पिलाने में जुटे थे। सैकड़ों निर्दोषों की हत्या और ब्रिटिश सत्ता की निर्दयता ने उनके मन में प्रतिशोध नहीं, बल्कि न्याय की दृढ़ प्रतिज्ञा को जन्म दिया—एक ऐसी प्रतिज्ञा, जो 21 वर्षों तक धैर्यपूर्वक पकती रही। इसके बाद उधम सिंह क्रांतिकारी राजनीति से जुड़े। ग़दर पार्टी और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन से उनका संपर्क हुआ। विदेशों में रहते हुए उन्होंने भारतीय मजदूरों को संगठित किया और औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध चेतना फैलायी। हथियार रखने के आरोप में जेल, पुलिस की निगरानी, देश-विदेश की यात्राएँ—इन सबके बीच उनका लक्ष्य अडिग रहा। 1934 में लंदन पहुँचकर उन्होंने पंजाब के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल ओ'डायर—जलियांवाला बाग की नीतिगत जिम्मेदारी के प्रतीक—को न्याय के कटघरे में लाने का संकल्प किया। 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में उधम सिंह ने ओ'डायर को गोली मारी। यह एक व्यक्ति पर किया गया हमला नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक अहंकार के विरुद्ध प्रतीकात्मक प्रतिरोध था। गिरफ्तारी के बाद उन्होंने अपना नाम "राम मोहम्मद सिंह आज़ाद" बताया—भारत की बहुलतावादी आत्मा और स्वतंत्रता की आकांक्षा का घोष। मुकदमे के दौरान उनका वक्तव्य ब्रिटिश साम्राज्यवाद की तीखी आलोचना था, जिसमें उन्होंने भारत में हुए अत्याचारों को निर्भीकता से सामने रखा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्हें मृत्यु का भय नहीं, क्योंकि वे देश के लिए मर रहे हैं। 31 जुलाई 1940 को लंदन की पेंटनविले जेल में उन्हें फांसी दी गई। उनका बलिदान तत्कालीन भारत में क्रांतिकारी चेतना को नई धार देने वाला सिद्ध हुआ। वर्षों बाद, 1974 में उनके अवशेष भारत लाए गए और सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया। आज जलियांवाला बाग के पास उनका संग्रहालय, सुनाम का नामकरण, उधम सिंह नगर जिला और उनकी स्मृति में स्थापित प्रतिमाएँ उनके राष्ट्रव्यापी सम्मान की साक्षी हैं।

जनाकांक्षाओं की राह पर अग्रसर हरियाणा

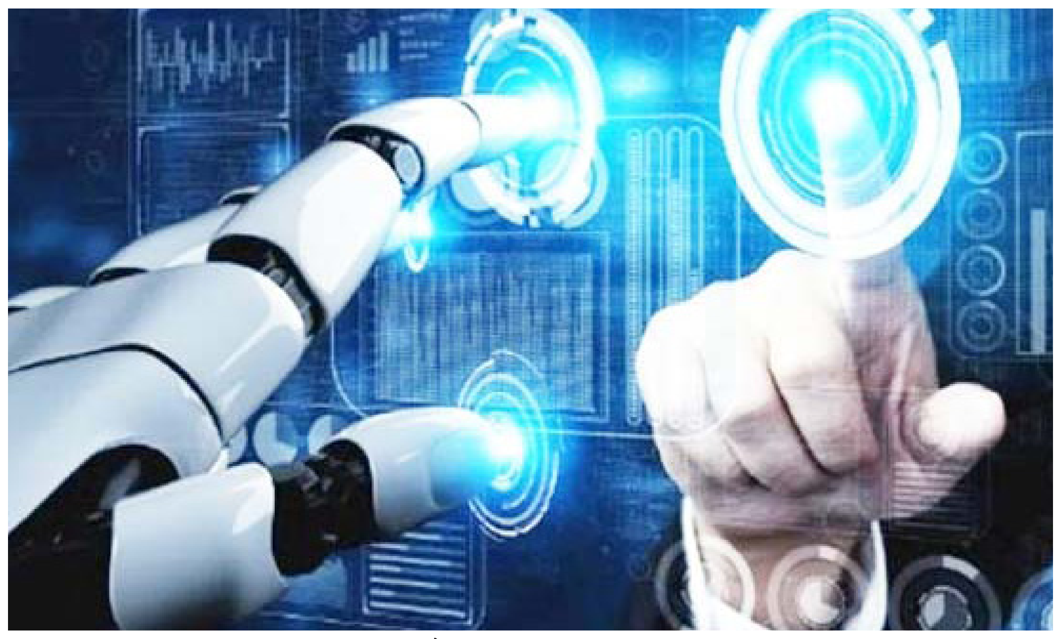

सुशासन दिवस के अवसर पर भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण समीचीन होगा, जो सुशासन और जन-कल्याण के आदर्श प्रतीक रहे हैं। निस्संदेह, सुशासन का अभिप्रायः है सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सार्वजनिक कार्यों और संसाधनों का प्रभावी, पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी प्रबंधन। हरियाणा सरकार इसी मूल मंत्र पर चल रही है। सुशासन हेतु ई-गवर्नेंस मार्ग पर चलते हुए, बीते ग्यारह वर्षों में सरकार ने प्रशासन के आधुनिकीकरण, समयबद्ध और बाधारहित सेवा वितरण सुनिश्चित करने व समावेशी विकास को बढ़ावा देने हेतु ठोस व निर्णायक कदम उठाए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री और कुशल राजनेता, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, जिनका जन्मदिवस 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है, भारत में सुशासन के प्रतीक पुरुष हैं। उनका शासन मॉडल वैचारिक प्रतिबद्धताओं और व्यावहारिक, समावेशी तथा जन-केंद्रित प्रशासन के संतुलन से परिपूर्ण था। उनका दृढ़ विश्वास था कि शासन का उद्देश्य लोगों के जीवन में सुधार लाना, विशेष रूप से गरीबों-वंचितों का कल्याण सुनिश्चित करना है।श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का हरियाणा से विशेष लगाव था। कई हरियाणा प्रवास के अतिरिक्त यह बड़े ही संयोग की बात है कि 24 दिसंबर, 1987 को अटल जी विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा कार्यवाही देखने आए। वाजपेयी जी की सोच से प्रेरणा लेते हुए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए—जिसके अनुसार सुशासन के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी आवश्यक है तथा ई-गवर्नेंस इसका प्रमुख साधन है—हरियाणा सरकार ने नीतियों में व्यापक सुधार किए हैं। इनका मकसद प्रशासन को जनता की आवश्यकताओं-सुविधा के अनुरूप बनाना, सेवाओं को उनके द्वार तक पहुंचाना, ऑनलाइन उपलब्ध कराना, भ्रष्टाचार के रास्ते बंद करना तथा दलालों-बिचौलियों को पूरी तरह समाप्त करना है। निस्संदेह, नीतिगत निर्णय हितधारकों की आकांक्षाओं के अनुरूप लिए जाते हैं। जनहित की सेवा हेतु कानून के शासन व सहभागिता के सिद्धांतों का उपयोग करते हुए निर्णय होते हैं। जिससे समान विकास व नागरिकों का सशक्तीकरण सुनिश्चित हो सके। ऐसा वातावरण बनाना, जिसमें सभी नागरिकों—विशेषकर पिछड़े वर्गों—को अभिव्यक्ति का अवसर व समान अवसर प्राप्त हों। जनता सेवा हेतु प्रतिबद्ध राज्य सरकार का लक्ष्य आम व्यक्ति के जीवन को सरल बनाना और उद्योग-कारोबार अनुकूल माहौल बनाना है। भारत को ई-गवर्नेंस के माध्यम से रूपांतरित करने की प्रधानमंत्री की परिकल्पना को साकार करने, लोगों तथा कल्याणकारी योजनाओं के बीच की दूरी कम करने को कई ई-हस्तक्षेप किए गए। फलतः हरियाणा में अधिकांश सेवाएं एक क्लिक की दूरी पर हैं। सुशासन सुधारों ने लोगों को घर बैठे या नजदीकी सामुदायिक सेवा केन्द्रों से कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्ति हेतु सक्षम बनाया है। प्रमुख योजना परिवार पहचान पत्र के माध्यम से अधिकांश योजनाओं का लाभ स्वतः लोगों

नायब सिंह सैनी

तक पहुंच रहा है। डीबीटी योजना से राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा हो रही है। व्यक्ति के वरिष्ठ नागरिक बनते ही, उसकी पेंशन स्वतः खाते में जमा हो जाती है; संपत्ति के पचास हजार सौदे ऑनलाइन पंजीकृत हो चुके हैं; किसानों को खरीदी गई फसलों का भुगतान अब 48 घंटों में मिल रहा है। कर्मचारियों के स्थानांतरण ऑनलाइन किए जा रहे हैं। वर्षों से अनसुलझे मामलों को सुलझाने में सक्षम फोरेंसिक व्यवस्था से लेकर एआई-सक्षम आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों तक; महिलाओं की सुरक्षा पहलों से लेकर परिणामोन्मुख साइबर अपराध नियंत्रण तक—हरियाणा पुलिस मानवीय दृष्टिकोण के साथ नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग में नए मानक स्थापित कर रही है। नवाचार, पारदर्शिता और नागरिक-प्रथम रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हरियाणा पुलिस ने अगस्त, 2025 में राष्ट्रीय प्रदर्शन रैंकिंग में 100 का पूर्ण स्कोर प्राप्त किया है और अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।

ये पहलें अलग-थलग प्रयास नहीं हैं; बल्कि वे उस व्यापक दृष्टि का हिस्सा हैं, जिसके अंतर्गत सेवा वितरण और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तकनीक को एक उपकरण के रूप में अपनाया गया है, ताकि सेवा प्राप्त करने वाले और सेवा देने वाले के बीच का संपर्क न्यूनतम हो। हरियाणा का तकनीक-संचालित शासन मॉडल दर्शाता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म किस प्रकार जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाते हुए नागरिकों को सशक्त बना सकते हैं।

हरियाणा में भूमि और राजस्व अभिलेखों का आधुनिकीकरण एक मील का पत्थर साबित हुआ है। करोड़ों पृष्ठों के राजस्व अभिलेखों को स्कैन, सत्यापित और डिजिटाइज़ करके हरियाणा ने न केवल महत्वपूर्ण दस्तावेजों को संरक्षित किया है, बल्कि नागरिकों के लिए उनकी आसान उपलब्धता भी सुनिश्चित की है। इससे विवादों और मुकदमों में कमी आई है, विश्वास बढ़ा है और प्रशासनिक प्रक्रियाएं अधिक सुव्यवस्थित हुई हैं। आधुनिक राजस्व रिकॉर्ड कक्षों की स्थापना से संस्थागत क्षमता और मजबूत हुई है। पंजीकरण सेवाओं के डिजिटलीकरण और ई-स्टांपिंग प्रणाली के कारण नागरिकों को त्वरित सेवाएं, कम कागजी कार्यवाही और अधिक जवाबदेही का अनुभव हो रहा है। प्रभावी भूमि शासन आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय की आधारशिला है।

जीवन मंत्र

प्रेम दुखद क्यों होता है

ओशो ने प्रेम पर अनगिनत पहलुओं से चर्चा की है। दरअसल, ओशो से जितने प्रश्न पूछे गए, उनमें सर्वाधिक सवाल रिश्तों की कठिनाई, उलझनों को लेकर ही होते थे। इसलिए उसके कुछ बिंदुओं को समझना अच्छा होगा।

प्रेम बड़ी रहस्यमय घटना है। यहां हर कोई इसका भूखा है, लेकिन हर कोई इससे खाली रहता है। बस एक चाह मन में सुलगती रहती है, मगर यह चाह हकीकत नहीं बन पाती। मीरा बाई जैसे संतों ने भी स्वीकार किया- जो मैं ऐसा जानती, प्रीत किए दुख होय, नगर ढिंढोरा पीटती, प्रीत न करियो कोय। दरअसल, प्रेम के साथ जो दुख आता है, उससे हम सब डरते हैं। प्रेम अपने साथ समस्याएं और दर्द लाता है, क्योंकि पहली बार आप किसी को अपने इतने करीब आने देते हैं। इसके लिए आप तैयार नहीं होते, क्योंकि हमारा परिवार बहुत औपचारिक रिश्तों से बना है। उस दीवार को तोड़कर कोई अंदर घुस आए, तो सब अस्त-व्यस्त हो जाता है। लेकिन ये चुनौतियां व्यक्तिगत विकास के अवसर देती हैं, जो चेतना को ऊपर उठाती हैं। ओशो ने प्रेम पर अनगिनत पहलुओं से चर्चा की है। दरअसल, ओशो से जितने प्रश्न पूछे गए, उनमें सर्वाधिक सवाल रिश्तों की कठिनाई, उलझनों को लेकर ही होते थे। इसलिए उसके कुछ बिंदुओं को समझना अच्छा होगा। एक तो प्रेम दुखद है, लेकिन यह दुख निश्चित रूप से एक आशीर्वाद है। यौनाचार दुखद नहीं, यह तो बहुत आसान है, सुविधाजनक है। लोग इसका उपयोग लगभग 'ट्रैंक्विलाइजर' के रूप में करते हैं। लेकिन उससे आपके हृदय को संतुष्टि नहीं मिलती। प्रेम दुखद है, क्योंकि वह आपका विकास करता है। प्रेम आपको अंतर-बाहर सबसे बदल देता है, आपको एक नया जन्म देता है। अगर दुख के प्रति हमारा रवैया बदल जाए, तो हम प्रेम में उतरने के लिए तैयार हो सकते हैं। इसलिए जब प्रेम पैदा हो, तो उसमें सहयोग करें, विरोध करने की कोशिश न करें। प्रेम में अहंकार पर बड़ी चोट पड़ती है। जब तक प्रेमी एक-दूसरे के आगे झुकते नहीं, तब तक प्रेम सफल नहीं हो सकता। लेकिन जो मूल समस्या है, वह यह है कि प्रेमी धीरे-धीरे समझौता कर लेते हैं। समझौता यह है : तुम मुझे चोट मत पहुंचाओ, मैं तुम्हें नहीं पहुंचाऊंगा।

जीवन ऊर्जा | मुरलीधर देवीदास आमटे : जन्म 26 दिसंबर 1914 | जन्म

हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा

मुरलीधर देवीदास आमटे एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्हें बाबा आमटे के नाम से जाना जाता है। उनका जन्म 26 दिसंबर 1914 में हुआ था। वे विशेष रूप से कुष्ठ रोग से पीड़ित लोगों के पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए अपने काम के लिए जाने जाते थे। उन्हें पद्म विभूषण, डॉ अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, टेम्पलटन पुरस्कार और जमनालाल बजाज पुरस्कार सहित कई और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

एक बेहतर जीवन के लिए हमेशा कुछ नया सीखते रहना जरूरी है। हमारे जीवन में खुशियां एक प्रकार से रचनात्मक क्रिया है। यदि हम अपनी खुशियां लोगों के बीच सांझा नहीं करते, तो यह समाप्त हो जाती है। भविष्य साधारण लोगों के असाधारण दृढ संकल्प से संबंधित है। मैं एक महान नेता नही बनना चाहता हूं, मैं एक आदमी बनना चाहता हूं, जो की थोड़े से मिलने पर भी संतुष्ट हो और लोगों के टूटने पर उनकी सहायता करे, जो मनुष्य ऐसा करता है, निश्चित ही वह भगवा रंग के वस्त्रों में किसी पवित्र व्यक्ति से भी बड़ा है। यही मेरे जीवन का आदर्श है। ख़ुशी आपके अनुभवों का एक तुलनात्मक रूप है, जब आप उसकी तुलना उन पलों से करते हैं, जो आपके लिए अच्छी नहीं रही है और इस तरह आप खुश होते हैं और इसका आभार व्यक्त करते हैं, यही ख़ुशी के पल है। महान नेता बनने से

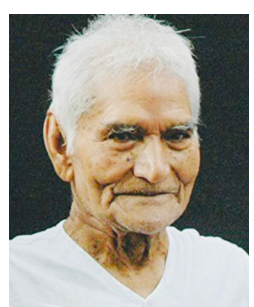

कही अच्छा है जरूरतमंदों की सहायता करना, जो मै करना चाहता हूं। मैंने कुष्ट रोग को खत्म करने के लिए किसी की मदद नहीं की बल्कि लोगों के बीच में इस रोग से पैदा हुए डर को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया। आनंद कुष्ट रोग से कही अधिक संक्रामक है, जो बहुत तेजी से फैलता है। यदि आप सपने में जी रहे हैं, तो यह आपके प्रगति के रुकावट का कारण बनता है। एक कुशल कप्तान कभी भी डूबते हुए जहाज का साथ नहीं छोड़ता है, ऐसे देश को भी डूबने से बचाने के लिए बहादुर नाविकों को उभरने चाहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

नाम की भूल और पीढ़ियों का भविष्य

समाज के एक बहुत बड़े वर्ग को न जाने क्या हो गया है। लगता है जैसे सामूहिक रूप से विवेक कहीं रास्ते में छूट गया हो। परंपरा, भाषा, अर्थ और शास्त्रीय समझ—इन सबका स्थान अब केवल "यूनिक" और "ट्रेंडी" शब्दों ने ले लिया है। नाम, जो कभी संस्कार हुआ करता था, आज एक फैशन एक्सेसरी बनकर रह गया है। इसी दिग्भ्रमित समाज का एक दृश्य हाल ही में मेरे सामने आया, जिसने मुझे भीतर तक विचलित कर दिया। एक सज्जन बड़े गर्व के साथ अपने परिवार से परिचय करा रहे थे। बातचीत के दौरान उन्होंने मुस्कराते हुए बताया कि उनकी पोती का नाम "अवीरा" है। स्वर में आत्मसंतोष था, मानो कोई महान उपलब्धि हो। बोले, "बड़ा ही यूनिक नाम रखा है।" स्वाभाविक था कि मैंने जिज्ञासावश पूछ लिया—इसका अर्थ क्या है? बिना किसी झिझक के उन्होंने उत्तर दिया, "बहादुर, ब्रेव, कॉन्फिडेंट।" यह सुनते ही मेरा मस्तिष्क जैसे घूम गया। फिर उन्होंने मासूमियत से पूछा, "आपको कैसा लगा नाम?" मैं कुछ क्षण मौन रहा, फिर संयत होकर कहा, "बंधु, अवीरा नाम बहुत ही अशोभनीय है। यह नहीं रखना चाहिए था।" वे चौंक गए। मैंने उन्हें संस्कृत व्याकरण और शास्त्रीय अर्थ समझाते हुए बताया—जिस स्त्री के पुत्र और पति न हों, पुत्र और पतिरहित स्त्री, उसे 'अवीरा' कहा जाता है। "नास्ति वीरः पुत्रादिर्यस्याः सा अवीरा।" यह अर्थ सुनते ही उनके चेहरे का रंग उतर गया। कुछ देर चुप रहने के बाद वे बोले, "महोदय, अब क्या करें? स्कूल में यही नाम है, बर्थ सर्टिफिकेट में भी यही दर्ज है।" यहीं से मन में एक गहरी पीड़ा उठी। आजकल लोग कुछ नया करने के जुनून में कुछ भी अनर्गल करने लगे हैं। लड़की हो तो मियारा, शियारा, कियारा, नयारा, मायरा, अल्मायरा। लड़का हो तो वियान, कियान, गियान, केयांश। शब्द किस भाषा के हैं, अर्थ क्या है, शुभ हैं या अशुभ—इन प्रश्नों से किसी को कोई लेना-देना नहीं। नाम बस कानों को "कूल" लगना चाहिए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

इसी सिलसिले में एक और घटना याद आती है, जिसने तो सचमुच मुझे सदमे में डाल दिया। एक सज्जन ने बड़े गर्व से बताया कि उन्होंने अपनी गुड़िया का नाम "श्लेष्मा" रखा है। नाम सुनते ही मैं जैसे सन्न रह गया। मन में सोचा, शायद मैंने गलत सुना हो। या फिर इन्हें शब्द का अर्थ न पता हो। मैंने सहजता से पूछा, "अच्छा, श्लेष्मा इसका अर्थ क्या होता है?" वे सज्जन बड़े आत्मविश्वास के साथ बोले, "श्लेष्मा का अर्थ होता है—जिस पर माँ की कृपा हो।" उस क्षण मैं सचमुच अपना सिर पकड़कर लगभग दस मिनट तक मौन बैठा रहा। मेरे भाव देखकर उन्हें भी समझ आ गया कि कुछ गड़बड़ हो गई है। वे घबराकर पूछने लगे, "क्या हुआ? मैंने कुछ गलत कह दिया क्या?" तब मैंने स्पष्ट कहा, "बंधु, तुरंत प्रभाव से बच्ची का नाम बदलो। श्लेष्मा का अर्थ होता है—नाक का कचरा।" उसके बाद जो हुआ, वह स्वाभाविक था।

यह केवल दो घटनाएँ नहीं हैं, यह आज के समाज की मानसिक स्थिति का आईना हैं। फैशन के दौर में फैंसी कपड़े पहनते-पहनते समाज अब अर्थहीन, अनर्थकारी और बेढंगे शब्द-समुच्चयों को अपने कुलदीपकों के नामकरण के लिए अपनाने लगा है। अशास्त्रीय नाम केवल सुनने में ही विचित्र नहीं लगते, वे बालकों के व्यक्तित्व पर भी विचित्र प्रभाव डालते हैं।

अपने विचार

जहां तक शेख हसीना की बात है, भारत ने सही मानवीय भावना दिखाते हुए किसी ऐसे व्यक्ति को वापस जाने के लिए मजबूर नहीं किया है जो कई सालों से भारत की अच्छी दोस्त रही हैं।

-शशि थरूर
नेता, कांग्रेस

सिलिगुड़ी कॉरिडोर को 'चिकन नेक' भी कहा जाता है। यह संकीर्ण गलियारा पूर्वोत्तर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है और इसके दोनों तरफ बांग्लादेश स्थित है। भारत को एक दिन इस क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए 20–22 किलोमीटर जमीन लेनी पड़ सकती है– चाहे कूटनीति से हो या बलपूर्वक।

-हेमंत विस्वा शर्मा
सीएम, असम

सत्ता में बैठे लोग हवा हवाई दावे करते रहते हैं। बिहार में कानून व्यवस्था चौपट हो चुका है। सुबह में गृह मंत्री दावा करते हैं कि अपराधी राज्य छोड़कर चले जाएंगे या सुधर जाएंगे। शाम को ही उनकी पार्टी के नेता की हत्या हो जाती है। इससे तो यही लगता है कि राज्य में अपराधी

-मृत्युंजय तिवारी
नेता, आरजेडी

जिस तरह कांग्रेस और राष्ट्रीय समाज पक्ष ने नगरपालिका और पंचायत चुनावों के दौरान कई क्षेत्रों में मिलकर काम किया था, उसी तरह वे नगर निगम और जिला परिषद चुनाव भी एक साथ लड़ेंगी।

-हर्षवर्धन सपकाल
नेता, कांग्रेस

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

नवी मुंबई हवाई अड्डे के नाम को लेकर भिवंडी में विरोध

भिवंडी। स्थानीय भूमिपुत्र आगरी–कोली समुदाय ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम दिवंगत जननेता दीबा पाटिल के नाम पर रखने की मांग को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। 25 दिसंबर से उड़ानें शुरू होने के बाद, सांसद सुरेश म्हात्रे के नेतृत्व में भूमिपुत्र संगठनों के संघ द्वारा प्रस्तावित विरोध चुनाव आचार संहिता के कारण टल गया था, लेकिन शुक्रवार से विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। राष्ट्रीय ओबीसी फेडरेशन के भिवंडी तालुका अध्यक्ष भगवान ठाकुर के नेतृत्व में ठाकर ठाकरचा पाड़ा में काले झंडे लहराते हुए नारेबाजी की गई, जिसमें सुनील पाटिल, मनोहर तरे, चक्रधारी पाटिल, विजय भामरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और हवाई अड्डे का नाम दीबा पाटिल के नाम पर रखने की जोरदार मांग की।

'आबे रवां' का भव्य विमोचन समारोह

भिवंडी। मशहूर शायर, लेखक एवं शाद आदम शेख टेक्निकल हाई स्कूल के पूर्व शिक्षक मोमिन जान-ए-आलम रहबर की ज़िंदगी और सेवाओं पर आधारित लेख-संग्रह 'आबे रवां' का विमोचन समारोह रविवार, 21 दिसंबर 2025 को रईस हाई स्कूल के उर्दू बसेरा हॉल में डॉ. ख्वाजा गुलामुस्सय्यदैन रब्बानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह में महाराष्ट्र उर्दू साहित्य अकादमी के चेयरमैन सैयद अख्तर हसीन द्वारा पुस्तक का विमोचन किया गया, जबकि डॉ. शेख अब्दुल्ला, प्रो. मोहम्मद आलम नदवी, मुशीर अंसारी, प्रिंसपल ज़ियाउर्रहमान अंसारी सहित कई साहित्यिक व शैक्षिक हस्तियों ने रहबर साहेब की शैक्षिक, साहित्यिक और काव्यात्मक सेवाओं की सराहना की। आयोजन में उनके शिष्यों व प्रशंसकों ने अपने गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त की, ऑनलाइन जुड़े कनाडा से प्रकाशक डॉ. खलीलुद्दीन तुमानदार और स्वयं रहबर साहेब ने आभार प्रकट किया, जबकि कार्यक्रम के अंत में उनके पुत्र एडवोकेट अब्दुल लतीफ को सम्मान स्वरूप 75 हजार रुपये का चेक व प्रशंसा पत्र भेंट किया गया और उपस्थित सभी लोगों को पुस्तक की प्रति प्रदान की गई।

भारतीय रेलवे ने यात्री किराया संरचना को युक्तिसंगत बनाया

सीजन टिकटों और 215 किमी तक की द्वितीय श्रेणी की साधारण यात्राओं के लिए कोई किराया वृद्धि नहीं

डीबीडी संवाददाता । नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने यात्रियों पर न्यूनतम प्रभाव डालते हुए अपने यात्री किराया ढांचे को युक्तिसंगत बनाने की घोषणा की है। 26 दिसंबर 2025 से लागू होने वाले संशोधन में उपनगरीय सेवाओं, सीजन टिकटों और 215 किमी तक की द्वितीय श्रेणी साधारण यात्राओं के लिए कोई किराया वृद्धि नहीं की गई है। शयनयान और प्रथम श्रेणी साधारण में केवल 1 पैसे प्रति किलोमीटर की मामूली बढ़ोतरी की गई है, जबकि मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी और नॉन-एसी दोनों श्रेणियों में किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर तक की सीमित वृद्धि की गई है।

साधारण और स्लीपर श्रेणियों में चरणबद्ध वृद्धि

साधारण द्वितीय श्रेणी में 215 किमी तक की यात्राओं के लिए किराया अपरिवर्तित रखा गया है। 216 किमी से 750 किमी तक की दूरी के लिए किराया 5 रुपये बढ़ाया गया है, जबकि 751 से 1250 किमी के लिए 10 रुपये, 1251 से 1750 किमी के लिए 15 रुपये और 1751 से 2250 किमी के लिए 20 रुपये की वृद्धि लागू होगी। स्लीपर और प्रथम श्रेणी साधारण में गैर–उपनगरीय यात्राओं के लिए प्रति किलोमीटर 1 पैसे की दर से संशोधन किया गया, जिससे किराए में क्रमिक और सीमित वृद्धि सुनिश्चित हुई है।

मेल/एक्सप्रेस और प्रमुख रेल सेवाओं में संशोधन

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की नॉन–एसी और एसी श्रेणियों में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसमें स्लीपर क्लास, फर्स्ट क्लास, एसी चेयर कार, एसी थ्री–टियर, एसी टू–टियर और एसी फर्स्ट क्लास शामिल हैं। तेजस राजधानी, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, हमसफर, महामाना, गतिमान, अंत्योदय, गरीब रथ, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल और साधारण गैर–उपनगरीय सेवाओं के मौजूदा मूल किराए भी इसी क्रमबद्ध वृद्धि के अनुरूप संशोधित किए गए हैं।

आरक्षण शुल्क और अन्य सहायक शुल्कों में कोई बदलाव नहीं

संशोधन के तहत आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार और अन्य सहायक शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जीएसटी की प्रयोज्यता और किराए का पूर्णांकन नियम भी अपरिवर्तित रहेंगे। इसका उद्देश्य यात्रियों के लिए किराया वहनीय रखना और परिचालन की स्थिरता बनाए रखना है। नई किराया संरचना केवल 26 दिसंबर 2025 या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होगी। इससे पहले बुक किए गए टिकटों पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। रेलवे ने कहा कि स्टेशनों पर प्रदर्शित किराया सूची भी उसी तिथि से अद्यतन की जाएगी, ताकि यात्रियों को सभी सेवाओं और श्रेणियों के नए किरायों की स्पष्ट जानकारी मिल सके।

गोवेली अस्पताल में नर्स की संदिग्ध मौत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई–कल्याण ग्रामीण क्षेत्र स्थित गोवेली अस्पताल परिसर में एक नर्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। अस्पताल परिसर में शव मिलने के बाद कई अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि नर्स की मौत दुर्घटना के कारण हुई थी और अस्पताल की लापरवाही भी इस मामले में सामने आई।

छत पर फिसलने से हुई गंभीर चोटें

जानकारी के अनुसार, मृतक नर्स ने अपने नियमित कार्य के बाद मरीजों की जांच की और इसके बाद अस्पताल की छत पर पौधों को पानी देना शुरू किया। इसी दौरान फर्श पर पड़े पानी के कारण वह फिसल गई और ज़मीन पर जोर से गिर गई, जिससे उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं। गिरने के बाद वह असहाय स्थिति में रह गई और मदद के लिए आवाज तक नहीं निकाल पाई।

अस्पताल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

पोस्टमार्टम और पुलिस जांच के अनुसार उस समय अस्पताल में नर्स और डॉक्टरों की मौजूदगी सीमित थी, जिससे हादसे की जानकारी किसी को नहीं हुई। पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घंटों तक लापरवाही और देर से मदद

नर्स का शव लगभग पांच घंटे तक छत पर पड़ा रहा, क्योंकि अस्पताल का स्टाफ उस समय व्यस्त था और किसी ने भी उसकी अनुपस्थिति पर ध्यान नहीं दिया। शाम को एक महिला ने छत पर शव देखा और चिल्लाने पर लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया कि मौत गिरने से लगी चोटों के कारण हुई और यदि समय पर चिकित्सा मदद मिलती, तो उसकी जान बचाई जा सकती थी।

सांता क्लॉज़ संग सड़कों पर उतरी ट्रैफिक पुलिस

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

क्रिसमस की खुशियों के बीच ठाणे ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए एक अनूठी पहल की। कोपरी ट्रैफिक पुलिस ने सांता क्लॉज़ के रूप में सड़कों पर उतरकर ठाणेकरों को "सेफ ट्रैफिक" का संदेश दिया। इस दौरान शराब पीकर वाहन न चलाने, दोपहिया वाहन पर हेलमेट पहनने, चारपहिया में सीट बेल्ट लगाने और गति सीमा का पालन करने जैसी अहम हिदायतें सांता क्लॉज़ के जरिए दी गईं, जिन्हें लोगों ने उत्साहपूर्वक अपनाया।

क्रिसमस पर ट्रैफिक जागरूकता का अनोखा अंदाज़

ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ के मार्गदर्शन में यह अभियान ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर, बाराबंगला, नौपाड़ा कोपरी रोड, गोखले रोड और आनंदनगर चेकपॉइंट सहित कई स्थानों पर चलाया गया। बच्चों ने सांता क्लॉज़ को देखकर खास खुशी जताई, वहीं कोपरी ट्रैफिक ब्रांच के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर दिलीप पाटिल ने बताया कि सांता ने बच्चों को भोजन कराकर क्रिसमस की खुशियां साझा कीं। ठाणे ट्रैफिक पुलिस की इस पहल ने यह संदेश प्रभावी ढंग से दिया कि ट्रैफिक नियम जुर्माने के लिए नहीं, बल्कि जान बचाने के लिए हैं, जिसकी शहरवासियों ने जमकर सराहना की।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 4 विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवाएं

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नव वर्ष की पूर्व संध्या (31 दिसंबर 2025 / 1 जनवरी 2026 की मध्यरात्रि) पर 4 विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है। इन विशेष सेवाओं का उद्देश्य देर रात यात्रा करने वाले यात्रियों को सुरक्षित और सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है।

हार्बर लाइन पर भी विशेष ट्रेनें

हार्बर लाइन पर भी दो विशेष उपनगरीय सेवाएं चलाई जाएंगी। एक ट्रेन मध्यरात्रि 1:30 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से रवाना होकर 2:50 बजे पनवेल पहुंचेगी, जबकि दूसरी ट्रेन 1:30 बजे पनवेल से प्रस्थान कर 2:50 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी। मध्य रेल के अनुसार, ये सभी विशेष ट्रेन सेवाएं अपने मार्ग के सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

मेन लाइन पर दो विशेष उपनगरीय सेवाएं

मेन लाइन पर एक विशेष ट्रेन 31 दिसंबर 2025/1 जनवरी 2026 की मध्यरात्रि 1:30 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से रवाना होकर 3:00 बजे कल्याण पहुंचेगी। वहीं दूसरी विशेष ट्रेन इसी समय 1:30 बजे कल्याण से प्रस्थान कर 3:00 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी।

मतदाता जागरूकता के तहत स्वीप कार्यक्रम में वॉकथॉन

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

पनवेल महानगरपालिका द्वारा मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चुनाव अधिकारी एवं प्रशासक मंगेश चितळे के निर्देशानुसार स्वीप (Systematic Voters' Education and Electoral Participation) कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में न्यू पनवेल स्थित डी.डी. विस्पुते कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मतदाता जागरूकता वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस वॉकथॉन में 100 से अधिक प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता रही।

फ्लैग-ऑफ और लोकतांत्रिक शपथ

वॉकथॉन का उद्घाटन और फ्लैग–ऑफ कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सीमा कांबळे के हाथों किया गया। इस अवसर पर प्राध्यापक, छात्र प्रतिनिधि और स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने "मैं मतदान करूंगा और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करूंगा" की शपथ ली। मार्गदर्शन करते हुए डॉ. कांबळे ने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति नागरिक कर्तव्य है और युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ विकसित करना बेहद आवश्यक है।

जागरूकता संदेश के साथ रैली का समापन

वॉकथॉन की शुरुआत डी.डी. विस्पुते कॉलेज ऑफ एजुकेशन से हुई और यह अशोक अपार्टमेंट, सेक्टर–15, न्यू केयर प्लस हॉस्पिटल, मंगो गार्डन, पोदी गांव पार्क, कैफे 3डी और पिलेज गर्ल्स हॉस्टल होते हुए पुन: कॉलेज परिसर में समाप्त हुई। मार्ग में छात्रों ने पोस्टर, बैनर, तख्तियां और नारों के जरिए नागरिकों को मतदान के महत्व का संदेश दिया। "हर वोट महत्वपूर्ण है" और "मतदान हमारी जिम्मेदारी है" जैसे नारों से पूरे क्षेत्र में जनजागरूकता का माहौल बना रहा।

सांस्कृतिक महोत्सव से विद्यार्थियों को नई ऊर्जा मिलती है: उपायुक्त

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे मनपा शिक्षण विभाग की ओर से 23 और 24 दिसंबर को आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन 23 दिसंबर को ठाणे मनपा स्कूल क्रमांक 23, किसन नगर में हुआ। उद्घाटन अवसर पर उपायुक्त (शिक्षण) सचिन सांगले ने कहा कि विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ उनकी अंतर्निहित प्रतिभा को निखारने के लिए ऐसे महोत्सव आवश्यक हैं, क्योंकि ये बच्चों का तनाव कम कर उन्हें नई ऊर्जा और रचनात्मक दिशा देते हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल यूनिफॉर्म में विविध परिधानों में सजे बच्चों को देखकर उन्हें अपने बचपन की यादें ताजा हो गईं। इस मौके पर शिक्षण अधिकारी शेषराव बढे, अधिकारी संगीता बामने, महोत्सव की एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट सविता चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

102 स्कूलों के 2000 से अधिक छात्रों की सहभागिता

दो दिनों तक चले इस सांस्कृतिक उत्सव में नृत्य और नाटक–दो श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें कुल 102 स्कूलों के 2000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। नृत्य प्रतियोगिता कक्षा 1 से 5 और कक्षा 6 से 8 के लिए अलग–अलग वर्गों में हुई, जबकि नाटक प्रतियोगिता कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए रखी गई। ये कार्यक्रम ठाणे मनपा स्कूल क्रमांक 13 खोपट, स्कूल क्रमांक 23 किसन नगर और शिक्षा विभाग कार्यालय, विष्णुनगर–नौपाड़ा में एक साथ आयोजित किए गए। महोत्सव समिति 2025–26 की सुनियोजित योजना के चलते सभी प्रतियोगिताएं सुचारू रूप से सम्पन्न हुईं और चयनित पुरस्कार–विजेता प्रस्तुतियों को महोत्सव में मंच प्रदान किया जाएगा।

समुद्र तट की सफाई और पर्यावरण संरक्षण अभियान

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की 101 वीं जयंती के अवसर पर "राष्ट्र प्रथम" और स्वच्छ भारत की भावना को आत्मसात करते हुए मीरा भाईंदर भाजपा जिला विद्यार्थी सेल के जिलाध्यक्ष तक्षशील मेहता द्वारा आयोजित बीच क्लीन ड्राइव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर विद्यार्थी सेल के कार्यकर्ताओं ने उत्तन के वेलांकिनी बीच पर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का सशक्त संदेश देने वाली बीच क्लीन ड्राइव में उत्साहपूर्वक सहभाग करते हुए समुद्र तट से प्लास्टिक की बोतलें, पॉलिथीन,और अन्य कचरा इकठ्ठा कर स्वच्छ व सुंदर समुद्र तट के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का परिचय दिया।

वाजपेयी की जयंती पर स्वच्छता अभियान के जरिए श्रद्धांजलि

सेल के जिलाध्यक्ष तक्षशील मेहता ने कहा कि अटलबिहारी वाजपेयी की जयंती पर स्वच्छता अभियान के जरिए श्रद्धांजलि दी गई है। यह बीच क्लीन ड्राइव उन्हें सच्चा अभिवादन है। स्वच्छ तट, सुरक्षित पर्यावरण और जागरूक नागरिक ही राष्ट्र के विकास की सच्ची पहचान हैं। हम सभी से अपील करते हैं कि वे अपने आसपास के पर्यावरण को स्वच्छ रखने में प्रशासन का सहयोग करें। समुद्र तट की सफाई सिर्फ एक दिन का काम नहीं है, अपितु यह एक निरंतर प्रक्रिया है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना हम सभी का दायित्व है। अत: यह अभियान आगे भी हर रविवार निरंतर रूप से चलाया जाएगा।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर कार्य करना चाहिए। व्यापार में लाभकारी परिवर्तन होंगे।

वृष शत्रु परास्त होंगे। भूमि व भवन की खरीद–फरोख्त हो सकती है। रोजगार मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। व्यापार में नई योजनाओं का प्रारंभ होगा। पराक्रम के प्रति निष्क्रियता के कारण मन अप्रसन्न रहेगा।

मिथुन परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे। व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी। पारिवारिक, मांगलिक कार्य की योजना बनेगी।

कर्क व्यर्थ भागदौड़ होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद न करें। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। रुका धन मिलेगा। दु:खद समाचार मिल सकता है। विरोध होगा।

सिंह फालतू खर्च होगा। अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। व्ययों में कमी करना चाहिए। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या पुराना रोग उभर सकता है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। आय में कमी रहेगी। धैर्य रखें। स्वास्थ्य की समस्या हल होगी। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। आर्थिक निवेश लाभकारी रहेगा।

तुला नई योजना बनेगी। कार्य का विस्तार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। काम के प्रति दृढ़ता से कार्य में अनुकूल सफलता मिल सकेगी। पारिवारिक सुख व धन बढ़ेगा। वाणी संयम आवश्यक है।

वृश्चिक धर्म–कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। नौकरी में तबादला तथा पदोन्नति के योग हैं। अनावश्यक क्रोध न करें।

धनु व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा संभव है। विवाद न करें। रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी।

मकर सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान–सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। अजनबियों पर विश्वास न करें।

कुंभ व्यवसाय में बड़ी डील को लेकर परेशानी हो सकती है। जॉब में आपका मन नहीं लगेगा। निजी मामलों को लेकर बाहरी लोगों से सलाह न लें। योग और व्यायाम करने से आप स्वस्थ रहेंगे। कोर्ट–कचहरी के मामलों को लेकर लापरवाही न करें।

मीन वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे।

लक्ष्मी माता को प्रसन्न करने के चार सरल तरीके

प्रियंका जैन
9769994439

अक्सर लोग यह शिकायत करते हैं कि चाहे जितनी मेहनत कर लें, पैसा आता तो है लेकिन टिकता नहीं। खर्च बढ़ते जाते हैं, तिजोरी खाली रहती है और आर्थिक अस्थिरता बनी रहती है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति मानसिक तनाव का शिकार भी हो जाता है। बहुत से लोग इसे भाग्य का दोष मान लेते हैं, जबकि वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में मौजूद ऊर्जा और वस्तुओं का संतुलन भी धन-प्रवाह पर गहरा प्रभाव डालता है।

वास्तु शास्त्र मानता है कि हमारा घर केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि ऊर्जा का केंद्र होता है। यदि घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह सही दिशा में हो, तो यह सुख, शांति, समृद्धि और लक्ष्मी कृपा को आकर्षित करता है। यही कारण है कि सफल और समृद्ध लोगों के घरों में कुछ विशेष वस्तुएं देखने को मिलती हैं। ये वस्तुएं केवल सजावटी नहीं होतीं, बल्कि इन्हें शुभ ऊर्जा का वाहक माना जाता है।

आइए जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार धन, समृद्धि और सकारात्मकता को आकर्षित करने वाली चार महत्वपूर्ण वस्तुओं के बारे में, जिन्हें अपनाकर आर्थिक परेशानियों से काफी हद तक राहत पाई जा सकती है।

फेंगशुई मेंढक को धन और समृद्धि का अत्यंत प्रभावशाली प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि यह आर्थिक अवसरों को बढ़ाता है और रुका हुआ धन प्रवाह फिर से चालू करता है। आमतौर पर इसके मुख में एक सिक्का होता है, जो धन आगमन का संकेत देता है।

वास्तु के अनुसार, फेंगशुई मेंढक को घर के मुख्य द्वार के अंदर इस तरह रखें कि उसका मुख घर की ओर हो, न कि बाहर की ओर। ऐसा माना जाता है कि इससे धन घर में प्रवेश करता है और बाहर नहीं जाता। इसे साफ-सुथरी और शांत जगह पर रखना विशेष लाभकारी होता है।

मुस्कुराते हुए बुद्ध को सुख, संतोष, सौभाग्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। उनकी मुस्कान तनाव को दूर करती है और घर के वातावरण को प्रसन्नता से भर देती है। वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि जहां आनंद और संतोष होता है, वहां लक्ष्मी स्वतः निवास करती हैं। बुद्ध की मूर्ति को मुख्य द्वार के सामने या ड्रॉइंग रूम में ऐसी जगह रखें, जहां आते-जाते उस पर दृष्टि पड़े। यह नकारात्मक विचारों को दूर कर मन को शांत करता है और आर्थिक निर्णयों में स्थिरता लाता है।

वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट को धन वृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। यह न केवल घर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा भी फैलाता है। कहा जाता है कि जिस घर में मनी प्लांट हरा-भरा रहता है, वहां आर्थिक स्थिति भी धीरे-धीरे मजबूत होती जाती है। वास्तु के अनुसार, मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना अत्यंत शुभ होता है, क्योंकि यह दिशा अग्नि तत्व और धन वृद्धि से जुड़ी मानी जाती है। वहीं उत्तर-पूर्व दिशा में इसे रखने से आर्थिक नुकसान या धन रुकावट की आशंका बताई गई है।

वास्तु शास्त्र में बहते पानी को जीवन और धन के निरंतर प्रवाह का प्रतीक माना गया है। जहां पानी रुकता नहीं, वहां ऊर्जा भी प्रवाहित रहती है। इसी कारण कई सफल लोग अपने घर या कार्यालय में छोटे फव्वारे या वाटर फाउंटेन लगवाते हैं।

फव्वारे को घर के उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। यह न केवल घर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि मानसिक शांति, सकारात्मकता और आर्थिक स्थिरता भी प्रदान करता है। ध्यान रखें कि पानी हमेशा साफ और बहता हुआ हो, रुका या गंदा पानी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

न्यूज़ ब्रीफ

एयरफोर्स कर्मी के घर 50 लाख की चोरी

बिजनौर। नूरपुर थाना क्षेत्र के नंगली जाजू गांव में भारतीय वायुसेना के जवान के घर से बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने परिवार के सदस्यों को कमरों में बंद कर करीब 50 लाख रुपये के आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना चांदपुर तहसील क्षेत्र की है, जहां एयरफोर्स जवान शगुन चौधरी के पैतृक मकान को निशाना बनाया गया। रात के समय चोरों ने जवान के माता-पिता के कमरों को बाहर से बंद कर दिया और जवान के कमरे से सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। जवान हाल ही में शादी के बाद ड्यूटी पर लौट गया था, जबकि उसकी पत्नी मायके में है। सुबह कमरा बंद मिलने पर पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खुलवाया गया, तब चोरी का खुलासा हुआ। पीड़ित परिवार ने चोरी की कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व विधायक और अभिनेत्री उर्मिला नामजद

हरिद्वार। वायरल ऑडियो–वीडियो प्रकरण को लेकर पूर्व विधायक सुरेश राठौर और अभिनेत्री उर्मिला सनावर के खिलाफ बहादराबाद थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसके बाद मामला सियासी तूल पकड़ता जा रहा है। शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार की शिकायत पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। आरोप है कि दोनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक और तथ्यहीन बयान व वीडियो प्रसारित कर उनकी सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। शिकायत में कहा गया है कि इस कथित प्रचार से रविदासी समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक तनाव का माहौल बना है। यह भी आरोप लगाया गया कि पूर्व विधायक का रविदास पीठ से जुड़े वर्चस्व विवाद को लेकर पुराना मतभेद रहा है, जिसके चलते यह सामग्री जानबूझकर प्रसारित की गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर, मामले में भाजपा नेता का नाम सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है और विपक्ष जांच की मांग कर रहा है।

काशी विश्वनाथ : स्पर्श दर्शन अस्थायी रूप से बंद

वाराणसी। वर्षांत और नववर्ष पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में तीन जनवरी 2026 तक स्पर्श दर्शन पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। मंदिर न्यास के अनुसार, दिसंबर के अंतिम दिनों और नए साल में श्रद्धालुओं की संख्या में तेज वृद्धि की संभावना को देखते हुए यह निर्णय सुरक्षा और सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था के उद्देश्य से लिया गया है। इस दौरान प्रोटोकॉल और सुगम दर्शन पूर्ववत जारी रहेंगे। स्पर्श दर्शन बंद रहने की अवधि में सामान्य श्रद्धालुओं को कतारबद्ध होकर झांकी दर्शन की सुविधा मिलेगी। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से नियमों का पालन करने और सहयोग बनाए रखने की अपील की है। मंदिर न्यास ने बताया कि तीन जनवरी को श्रद्धालुओं की भीड़ का आकलन किया जाएगा।

परिवारवाद की राजनीति से आजाद हुआ देश: मोदी

अटल जयंती पर लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल राष्ट्र को समर्पित

एजेंसी । लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश को लंबे समय तक एक ही परिवार को श्रेय देने की परंपरा में बांधकर रखा गया, लेकिन भाजपा सरकार ने इस सोच को बदलते हुए राष्ट्रनिर्माताओं के योगदान को समान सम्मान दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने लखनऊ में 65 एकड़ में विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए इसे राष्ट्रीय विचारधारा और आत्मसम्मान का प्रतीक बताया।

अंत्योदय से सुशासन तक

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने अंतिम व्यक्ति को केंद्र में रखकर योजनाएं लागू कीं। बिना भेदभाव गरीबों को आवास, बिजली, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधा और अनाज उपलब्ध कराया गया।

तीन महापुरुष और एक विचारधारा

प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं केवल आकार में नहीं, बल्कि विचारों में भी विराट हैं। यह स्थल देश को यह संदेश देता है कि हर कदम राष्ट्रहित में उठाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी की एक राष्ट्र, एक विधान की सोच को आगे बढ़ाते हुए अनुच्छेद 370 हटाया गया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, एक जनपद–एक उत्पाद और उत्तर प्रदेश में विकसित हो रहे डिफेंस कॉरिडोर का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य औद्योगिक शक्ति के रूप में उभर रहा है।

अटलजी की दूरदर्शिता की विरासत

प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने सुशासन को व्यवहार में उतारा। उनकी दूरसंचार नीति से देश में मोबाइल और इंटरनेट क्रांति आई। आज भारत मोबाइल निर्माण में अग्रणी बन चुका है, जिसमें उत्तर प्रदेश की बड़ी भूमिका है।

प्रधानमंत्री संग्रहालय में समान सम्मान

मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री संग्रहालय के माध्यम से सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को समान सम्मान दिया है, चाहे उनका कार्यकाल छोटा रहा हो या लंबा। नरसिम्हा राव और प्रणब मुखर्जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना इसी सोच का उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश का सांसद होने पर गर्व है और राज्य के मेहनतकश लोगों के प्रयासों से यहां विकास की नई कहानी लिखी जा रही है।

अवैध गर्भपात बना युवती की मौत की वजह

रिश्ते की आड़ में छिपा प्रेम, दवा खाने से बिगड़ी हालत

एजेंसी । नोएडा

सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के सदरपुर कॉलोनी में अवैध गर्भपात के प्रयास के दौरान एक 18 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, युवती का प्रेम संबंध उसके चचेरे भाई अरविंद कुमार (21) से था। दोनों के बीच सहमति से संबंध बने, जिसके चलते युवती गर्भवती हो गई। सामाजिक दबाव और लोकलाज के चलते मामले को छिपाने का प्रयास किया गया।

गर्भपात की दवा बनी जानलेवा

आरोप है कि युवक ने युवती को गर्भपात कराने के लिए दवा खिला दी। दवा सेवन के बाद उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए नोएडा के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से हालत नाजुक होने पर सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया।

इलाज के दौरान हुई मौत

पुलिस ने बताया कि परिजन युवती को सफदरजंग अस्पताल से वापस घर ले आए। बुधवार शाम को उसकी तबीयत दोबारा बिगड़ी, जिसके बाद उसे फिर से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर रात इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया। मृतका के पिता की शिकायत पर सेक्टर–39 थाना पुलिस ने चचेरे भाई अरविंद कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 91(1) के तहत कार्रवाई की गई है, जिसमें दस वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। थाना प्रभारी डी.पी. शुक्ल ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है और मामले की विवेचना विधिक प्रक्रिया के तहत की जा रही है।

SIR: गौतमबुद्ध नगर में 4.5 लाख नाम सूची से होंगे बाहर

26 दिसंबर तक पूरा होगा विशेष पुनरीक्षण अभियान

एजेंसी । नोएडा

गौतमबुद्ध नगर जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत साढ़े चार लाख से अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की स्थिति बन गई है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार ने बताया कि जिले में एसआईआर अभियान चार नवंबर से संचालित है, जो 26 दिसंबर को समाप्त होगा। इस दौरान 1,868 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से फॉर्म भरवाए गए हैं।

75.84 प्रतिशत मतदाताओं ने जमा किए फॉर्म

जिले के लोकसभा क्षेत्र में कुल 18 लाख 65 हजार 673 मतदाताओं का सत्यापन किया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार सभी मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक केवल 14 लाख 15 हजार मतदाताओं ने ही फॉर्म जमा किए हैं, जो कुल का 75.84 प्रतिशत है। प्रशासनिक आंकड़ों के मुताबिक 4 लाख 50 हजार 858 मतदाता अनुपस्थित, स्थानांतरित अथवा मृत की श्रेणी में रखे गए हैं। इनमें सात प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है, जबकि करीब 12 प्रतिशत अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके हैं और लगभग दो प्रतिशत मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है।

अंतिम तिथि से पहले संपर्क की कोशिश

अधिकारियों ने बताया कि जिन मतदाताओं की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है, उनके घरों पर बीएलओ दोबारा संपर्क कर रहे हैं। 26 दिसंबर से पहले अधिक से अधिक फॉर्म जमा कराने के लिए राजनीतिक दलों के साथ बैठकें और अन्य समन्वय प्रयास किए जा रहे हैं। नोएडा विधानसभा क्षेत्र में करीब 2 लाख 10 हजार 879 मतदाता, यानी 27.35 प्रतिशत नाम कटने की आशंका है। वहीं दादरी विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 65 हजार 575 (22.78 प्रतिशत) और जेवर विधानसभा क्षेत्र में 74 हजार 404 (20.23 प्रतिशत) मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा सकते हैं।

अटल जयंती पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल राष्ट्र को समर्पित

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजधानी लखनऊ में निर्मित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का लोकार्पण कर इसे राष्ट्र को समर्पित किया। गोमती नदी के तट पर, हरदोई मार्ग स्थित बसंत कुंज योजना के सेक्टर-जे में विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल करीब 65 एकड़ क्षेत्र में फैला है। यह स्थल भारतीय राजनीति और राष्ट्रवाद की विचारधारा को समर्पित एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। प्रेरणा स्थल परिसर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। प्रत्येक प्रतिमा 65 फुट ऊंची है, जो इन महान विभूतियों के विचार और योगदान की विराटता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने महापुरुषों के जीवन, संघर्ष और विचारों पर आधारित संग्रहालय का भी उद्घाटन किया। कमल के आकार में निर्मित इस म्यूजियम में आधुनिक तकनीक के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की वैचारिक यात्रा को प्रदर्शित किया गया है। प्रधानमंत्री सहित अन्य अतिथियों ने संग्रहालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

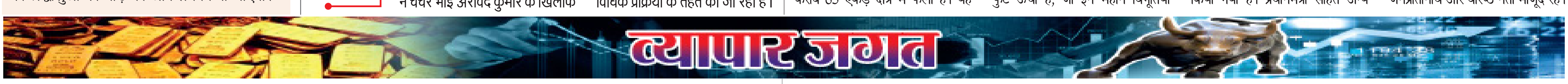

दूरी के अनुसार तय की गई सीमा

- आज से बदल जाएगा रेल का किराया
- कुछ श्रेणियों में मामूली बढ़ोतरी, उपनगरीय सेवाएं यथावत

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने यात्री किराए में सीमित संशोधन का फैसला किया है। नई किराया दरें 26 दिसंबर से प्रभावी होंगी, जबकि कई श्रेणियों को बढ़ोतरी से बाहर रखा गया है। रेल मंत्रालय के अनुसार, उपनगरीय ट्रेनों के एकल टिकट और सीजन टिकट के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गैर-उपनगरीय सीजन टिकट भी पूर्व दरों पर ही जारी होते रहेंगे। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को नई किराया तालिका का व्यापक प्रचार करने और स्टेशन परिसरों में संशोधित दरें प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं।

- 215 किमी तक की यात्रा पर कोई बढ़ोतरी नहीं
- 216–750 किमी तक अधिकतम 5 रुपए
- 751–1250 किमी तक 10 रुपए
- 1251–1750 किमी तक 15 रुपए
- 1751–2250 किमी तक अधिकतम 20 रुपए की वृद्धि लागू होगी

साधारण द्वितीय श्रेणी में सीमित बढ़ोतरी

गैर–उपनगरीय साधारण द्वितीय श्रेणी में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर एक पैसे की वृद्धि की गई है। हालांकि दूरी के अनुसार अधिकतम बढ़ोतरी तय की गई है, ताकि यात्रियों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। साधारण स्लीपर क्लास और प्रथम श्रेणी में प्रति किलोमीटर एक पैसे की वृद्धि की गई है। मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और प्रथम श्रेणी में प्रति किलोमीटर दो पैसे की बढ़ोतरी लागू होगी। एसी चेयर कार, एसी थ्री टियर, एसी टू टियर और एसी फर्स्ट क्लास में भी प्रति यात्री प्रति किलोमीटर दो पैसे की वृद्धि की गई है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट सरचार्ज और अन्य अतिरिक्त शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जीएसटी भी पूर्ववत लागू रहेगा। 26 दिसंबर से पहले जारी किए गए टिकटों पर संशोधित किराया लागू नहीं होगा। नई दरें केवल 26 दिसंबर के बाद बुक किए गए टिकटों पर प्रभावी होंगी।

2026 से किम्बरली प्रक्रिया की कमान संभालेगा भारत

देश को वैश्विक जिम्मेदारी, अंतरराष्ट्रीय हीरा व्यापार में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में अहम भूमिका

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। देश 1 जनवरी 2026 से किम्बरली प्रक्रिया की अध्यक्षता संभालेगा, जो कच्चे हीरों के अवैध और संघर्ष-प्रेरित व्यापार पर रोक लगाने के लिए गठित वैश्विक पहल है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, किम्बरली प्रक्रिया की पूर्ण बैठक (प्लेनरी) में भारत को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया है। इससे पहले भारत 25 दिसंबर 2025 से उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएगा और नए साल में अध्यक्षता ग्रहण करेगा। यह तीसरा अवसर होगा जब भारत किम्बरली प्रक्रिया की अध्यक्षता करेगा। इससे पहले भी भारत इस वैश्विक मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभा चुका है।

शासन, डिजिटल निगरानी और ट्रैसेबिलिटी

भारत अपने कार्यकाल में शासन और अनुपालन को सशक्त करने, डिजिटल प्रमाणन प्रणाली को बढ़ावा देने, हीरों की ट्रैकिंग क्षमता सुधारने और डेटा आधारित निगरानी के जरिए पारदर्शिता बढ़ाने पर विशेष ध्यान देगा। मंत्री गोयल ने कहा कि भारत संघर्ष–मुक्त हीरों के प्रति उपभोक्ताओं का भरोसा मजबूत करने और जिम्मेदार स्रोतों से व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए सभी भागीदारों के साथ मिलकर काम करेगा। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के तहत बनी किम्बरली प्रक्रिया प्रमाणन योजना वर्ष 2003 से लागू है। इसमें वर्तमान में 60 भागीदार शामिल हैं, जो वैश्विक कच्चे हीरा व्यापार के 99 प्रतिशत से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आसान भाषा में जानें किम्बरली प्रक्रिया

किम्बरली प्रक्रिया एक त्रिपक्षीय अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसमें सरकारें, वैश्विक हीरा उद्योग और नागरिक समाज शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य उन कच्चे हीरों के व्यापार को रोकना है, जिनका उपयोग विद्रोही समूह संघर्षों को वित्तपोषित करने में करते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत के चयन को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में पारदर्शिता और ईमानदारी के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर वैश्विक विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि हीरा निर्माण और व्यापार के प्रमुख केंद्र के रूप में भारत की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है।

बदली कर व्यवस्था, नया आयकर कानून लागू करने की तैयारी

जीएसटी कटौती के बाद कर प्रणाली को सरल बनाने पर सरकार का फोकस

एजेंसी । नई दिल्ली

वर्ष 2025 में केंद्र सरकार ने कर ढांचे में बड़े सुधार करते हुए आयकर और अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। संसद से पारित आयकर अधिनियम, 2025 आगामी वित्त वर्ष में 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। यह छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा और कर प्रणाली के आधुनिकीकरण की नींव बनेगा।

सरल भाषा और कम धाराएं

नए कानून में जटिल कानूनी भाषा को सरल किया गया है। अप्रचलित प्रावधान हटाए गए हैं और धाराओं व अध्यायों की संख्या घटाकर कर कानून को आम करदाताओं के लिए अधिक सहज बनाया गया है। आयकर प्रणाली में पहली बार 'कर वर्ष' की अवधारणा लाई गई है। इसके तहत अब 'वित्त वर्ष' और 'आकलन वर्ष' की जगह एक ही कर अवधि होगी, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर 12 महीने की होगी। इससे कर दाखिल करने में भ्रम कम होने की उम्मीद है।

डिजिटल और फेसलेस प्रणाली

नए कानून में फेसलेस मूल्यांकन और डिजिटल अनुपालन को प्राथमिकता दी गई है, ताकि मानवीय हस्तक्षेप कम हो और कर प्रशासन अधिक पारदर्शी बने। आयकर अधिनियम, 2025 में वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। इसमें क्रिप्टोकरेंसी और टोकनाइज्ड एसेट्स को शामिल किया गया है, जिससे इनके कराधान को लेकर स्पष्टता आएगी।

जीएसटी और उत्पाद शुल्क में भी बदलाव

सरकार ने 2025 में जीएसटी दरों में कटौती की है। इसके साथ ही सिगरेट और पान मसाला पर अतिरिक्त शुल्क से जुड़े नए कानून भी तय समय पर लागू किए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इन कर सुधारों से उपभोग और घरेलू मांग को बढ़ावा मिलेगा। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच यह कदम आर्थिक स्थिरता और विकास को समर्थन देगा। नया आयकर कानून कर दरों में बदलाव से अधिक कर अनुभव को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य अनुपालन को आसान बनाना, विवाद कम करना और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना है।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से शुरू हुईं व्यावसायिक उड़ानें

एजेंसी । नई दिल्ली

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से गुरुवार सुबह वाणिज्यिक उड़ानों का औपचारिक शुभारंभ हो गया, जिसके साथ मुंबई को एक नया हवाई प्रवेश द्वार मिल गया। एयरपोर्ट पर पहली कमर्शियल उड़ान इंडिगो एयरलाइन की रही, जो बेंगलुरु से नवी मुंबई पहुंची। रनवे पर उतरते ही विमान का वॉटर कैनन से भव्य स्वागत किया गया, जिससे यह पल ऐतिहासिक बन गया।

प्रधानमंत्री ने किया था उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 अक्टूबर को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। इस परियोजना की परिकल्पना सिडको ने वर्ष 1997 में की थी, जिसे वर्ष 2018 में आधारशिला रखने के बाद साकार रूप मिलना शुरू हुआ। इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विकास, निर्माण और संचालन की जिम्मेदारी अडाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड के पास है, जो वर्ष 2021 से इस परियोजना को संभाल रही है। प्रारंभिक चरण में नवी मुंबई एयरपोर्ट से 15 घरेलू उड़ानों का संचालन किया जाएगा। पहले दिन यह एयरपोर्ट देश के 9 प्रमुख शहरों से जुड़ गया, जहां 12 घंटे तक उड़ानें संचालित होंगी। एयरपोर्ट का पहला चरण करीब 19,650 करोड़ रुपए की लागत से 1160 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया गया है।

अडाणी समूह के चेयरमैन रहे मौजूद

इस मौके पर अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी भी एयरपोर्ट परिसर में मौजूद रहे। पहली उड़ान के संचालन को लेकर एयरपोर्ट प्रशासन और विमानन क्षेत्र में उत्साह देखा गया। नवी मुंबई एयरपोर्ट से उड़ानों की शुरुआत को मुंबई की विमानन क्षमता विस्तार की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। पहले ही दिन यात्रा करने वाले यात्री इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संथाली भाषा में जारी किया संविधान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में देश के संविधान को संथाली भाषा में जारी किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि सभी संथाली लोगों के लिए यह गर्व और खुशी की बात है कि अब भारत का संविधान संथाली भाषा में, ओल चिकी लिपि में भी मिलेगा। इससे वे अपनी ही भाषा में संविधान को पढ़ और समझ सकेंगे। राष्ट्रपति ने कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और उनकी टीम की सराहना की। संथाली भारत की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है। इसे संविधान के 92वें संशोधन के तहत आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। यह भाषा झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में बड़ी संख्या में आदिवासी लोग इस्तेमाल करते हैं।

गुजरात विधानसभा के डिप्टी स्पीकर ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा के डिप्टी स्पीकर जेठाभाई भरवाड़ ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसको लेकर राज्य सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार भरवाड़ ने अपने व्यस्त शेड्यूल और अन्य जिम्मेदारियों का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने गांधीनगर में विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी के सरकारी आवास पर अपना इस्तीफा सौंपा। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्य भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा भी मौके पर मौजूद थे। विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने भरवाड़ का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

अरुणाचल प्रदेश में 3.4 तीव्रता का भूकंप, कोई नुकसान नहीं

लोअर सुभानसिरी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) के मुताबिक, गुरुवार दोपहर अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुभानसिरी जिले में रिक्टर स्केल पर 3.4 तीव्रता का भूकंप आया। झटका ठीक 3:45 PM पर महसूस किया गया। यह हल्का भूकंप था, इसलिए अभी तक कोई नुकसान या हादसे की खबर नहीं आई है। एनसीएस ने एक्स पर जानकारी शेयर करते हुए कहा कि इलाके में पहले भी छोटे-मोटे भूकंप आते रहते हैं, क्योंकि यह हिमालयी क्षेत्र भूकंप प्रवण जोन में आता है।

रूसी सेना ने दोनेत्सक में स्वियाटो-पोक्रोव्स्के बस्ती पर कब्जा जमाया

मॉस्को। रूसी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को दावा किया कि उनकी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी दोनेत्सक क्षेत्र में स्थित स्वियाटो-पोक्रोव्स्के बस्ती पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है। यह बस्ती सिवर्स्क शहर के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। रूसी मीडिया के अनुसार, यह सफलता सैन्य ऑपरेशन के दौरान मिली और मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी समूह की सैन्य इकाइयों ने इस क्षेत्र को आजाद करा लिया। साथ ही, पिछले 24 घंटों में रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने छह बम, एक अमेरिकी एचआईएमएआरएस रॉकेट और 472 फिक्स्ड-विंग यूएवी को मार गिराया।

झीरम घाटी नरसंहार के मास्टरमाइंड नक्सली का एनकाउंटर

- एक करोड़ का इनामी था गणेश उइके
- भाकपा (माओवादी) केंद्रीय समिति का सदस्य था
- मारे गए नक्सलियों में दो महिलाएं भी, अभी तक पहचान नहीं हुई

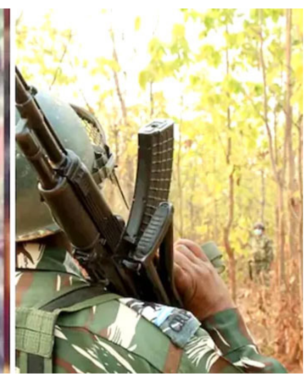

एजेंसी । भुवनेश्वर

ओडिशा में सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के तहत बड़ी कामयाबी मिली है। राज्य के कंधमाल जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके समेत छह नक्सलियों को मार गिराया। गुरुवार को वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भाकपा (माओवादी) केंद्रीय समिति के सदस्य उइके ओडिशा में प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था और उस पर 1.1 करोड़ रुपये का इनाम था।

ओडिशा पुलिस की 20 और सीआरपीएफ व बीएसएफ की टीमें ऑपरेशन में शामिल रहीं

संयुक्त ऑपरेशन चलाया

इस ऑपरेशन में ओडिशा पुलिस के विशेष परिचालन समूह की 20 टीमें, सीआरपीएफ की दो और बीएसएफ की एक टीम शामिल थी। बुधवार रात मारे गए नक्सलियों की पहचान छत्तीसगढ़ के राकेश (एरिया कमेटी सदस्य) और अमृत के रूप में हुई है, जिन पर कुल 23.65 लाख रुपये का इनाम था। यह मुठभेड़ मंगलवार को पड़ोसी मलकानगिरी जिले में डीजीपी खुरानिया के सामने 22 माओवादियों के आत्मसमर्पण के ठीक बाद हुई है।

राज्य में नक्सलियों की टूट रही है कमर : डीजीपी

मुठभेड़ के बाद डीजीपी वाई बी खुरानिया ने प्रेसवार्ता में कहा कि केंद्रीय समिति के एक सदस्य का मारा जाना ओडिशा पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता है। इससे राज्य में नक्सलियों की कमर टूट गई है। उन्होंने कहा, कंधमाल-गंजम अंतर-जिला सीमा के विभिन्न स्थानों पर अभियान जारी हैं और हमें और अधिक सफलता की उम्मीद है। हाल के समय में ओडिशा में माओवादियों के खिलाफ यह सबसे बड़े अभियानों में से एक है।

आतंक का था दूसरा नाम

वह लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बना हुआ था। गणेश नाइक पर आरोप था कि 2021 में छत्तीसगढ़ के बीजापुर-सुकमा बॉर्डर पर हुए झड़प का वह मास्टरमाइंड था। इस झड़प में 22 सुरक्षाबल के जवान शहीद हो गए थे। करीब 400 नक्सलियों ने घात लगाकर सुरक्षाबलों पर हमला किया गया था। चकपाड़ में तो इस बार गणेश मारा गया। लेकिन, इससे पहले 2018 में वह दंतेवाड़ा-बीजापुर के बॉर्डर पर हुए मुठभेड़ में बच गया था। 2017 में भी वह डोडी तुमनार जंगल में पुलिस से बच गया था. अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार रात बेलघर थाना क्षेत्र के गुम्मा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ के दो माओवादी मारे गए। इसके बाद गुरुवार सुबह चकापाड थाना क्षेत्र के एक जंगल में फिर से मुठभेड़ हुई, जिसमें चार अन्य नक्सली मारे गए। अधिकारी ने कहा कि एक की पहचान 69 वर्षीय गणेश उइके के रूप में हुई है। वह तेलंगाना के नलगोंडा जिले के चेंदूर मंडल के पुल्लेमाला गांव का निवासी था। अधिकारी ने बताया कि दो महिलाओं सहित अन्य तीन नक्सलियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घटनास्थल से दो इन्सांस राइफलें और एक .303 राइफल बरामद की गई है।

चार दशक से नक्सली आंदोलन में सक्रिय था गणेश उइके

मूल रूप से तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाले गणेश करीब 4 दशक से नक्सली आंदोलन में सक्रिय था। उसे पक्का हनुमंतु, राजेश तिवारी, चमरू और रूपा के नाम से भी जाना जाता था। वह दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का प्रमुख चेहरा, केंद्रीय नेतृत्व और स्थानीय इकाइयों के बीच की मुख्य कड़ी था। उसे कुछ साल पहले प्रतिबंधित संगठन की केंद्रीय समिति में शामिल किया गया था और पिछले तीन साल से ओडिशा के कंधमाल इलाके में सक्रिय था। यह ऑपरेशन केंद्र सरकार के मार्च, 2026 तक देश को नक्सल मुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस साल सुरक्षाबलों ने मई में महासचिव बासवराज और नवंबर में कमांडर माडवी हिडमा का सफाया किया था। अब गणेश उइके की मौत के बाद सेंट्रल कमेटी में दो प्रमुख सदस्य मल्लराज रेड्डी और एनल दा ही बचे हैं।

केवल पांच रुपये में मिलेगा भोजन

अटल कैंटीन से रोज एक लाख गरीबों की मिटेगी भूख

एजेंसी । नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर दिल्ली सरकार ने 'अटल कैंटीन' योजना की शुरुआत कर दी। इस योजना में दिल्ली के 100 अलग-अलग स्थानों पर अटल कैंटीन खोली गई है जिनमें केवल पांच रूपये में एक थाली भोजन दिया जाएगा। इस थाली में मौसमी सब्जी के साथ-साथ रोटी-चावल, दाल और अचार शामिल रहेगा। हर कैंटीन पर 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर एक हजार गरीबों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। कैंटीन पर दोपहर 12 बजे से दो बजे, और शाम छः बजे से आठ बजे के बीच भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। हर अटल कैंटीन पर एक हजार गरीबों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस तरह कुल सौ कैंटीनों पर कुल मिलाकर एक लाख गरीबों को सस्ता भोजन दिया जाएगा। यदि दोपहर और शाम दोनों को मिला लें तो दो लाख गरीबों को यह भोजन उपलब्ध होगा।

बेघरों को मिल सकेगा सस्ता भोजन

निर्माण इकाइयों, फैक्ट्रियों, बड़ी मंडियों, बाजारों, कृषि कार्यों और अन्य कार्यों में लगे गरीब श्रमिकों को इससे बड़ी सहायता मिलेगी। दिल्ली के मंदिरों, बाजारों और अन्य प्रमुख स्थलों पर भारी संख्या में ऐसे गरीब लोग भी मिलते हैं जो भीख मांगकर गुजारा करते हैं। इनमें से ज्यादातर के लिए किराए पर आवास लेकर रहना संभव नहीं होता। दिल्ली में रोज लाखों गरीब सड़क पर रात गुजार कर अपना जीवन बिताते हैं। पांच रूपये की थाली मिलने से ऐसे गरीबों को अपना पेट भरना आसान हो जाएगा। पांच रूपये में दिल्ली जैसे शहरों में एक कप चाय या एक समोसा तक नहीं खरीदा जा सकता। ऐसे में पांच रूपये में उन्हें भोजन मिल जाए तो उससे उन्हें बड़ी सहायता मिलेगी।

प्राथमिकी पर रोक के खिलाफ समीर मोदी हाईकोर्ट पहुंचे

एजेंसी । नई दिल्ली

कारोबारी समीर मोदी ने अपने खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला के विरुद्ध जबरन वसूली की प्राथमिकी दर्ज कराने पर लगी रोक को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। साकेत जिला अदालत द्वारा 16 दिसंबर को महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश के बाद, 18 दिसंबर को सत्र अदालत ने उस पर रोक लगा दी थी।

निचली अदालतों के आदेश और पुलिस जांच पर टिप्पणी

इससे पहले अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद जोशी की अदालत ने न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाने के प्रभारी को अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था और कहा था कि समीर मोदी के खिलाफ दाखिल आरोपपत्र में उनके द्वारा लगाए गए जबरन वसूली के आरोपों की जांच का उल्लेख नहीं है। अदालत ने जांच में देरी को लेकर दिल्ली पुलिस को फटकार भी लगाई थी। हालांकि, एफआईआर दर्ज करने के इस आदेश को सत्र अदालत में चुनौती दी गई, जहां अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान की अदालत ने उस पर रोक लगा दी थी।

अवैध प्रवासियों पर सरकार का एक्शन सही: थरूर

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को देश में गैरकानूनी तरीके से रहने वाले लोगों (अवैध प्रवासियों) के खिलाफ सरकार के एक्शन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा और इमिग्रेशन व्यवस्था को ठीक से संभालना सरकार की जिम्मेदारी है। थरूर ने कहा कि अगर भारत में घुसपैठ हो रही है या लोग वीजा खत्म होने के बाद भी रह रहे हैं तो यह सिस्टम की नाकामी और बॉर्डर व इमिग्रेशन कंट्रोल में कमियों को दिखाता है। सरकार के पास गैरकानूनी तरीके से रहने वालों को कानून के तहत बाहर निकालने का पूरा अधिकार है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि अगर लोग अवैध तरीके से देश में घुस रहे हैं, तो क्या यह हमारी नाकामी नहीं है? इसलिए सरकार को बॉर्डर पर और ज्यादा सख्ती करनी चाहिए। सरकार के पास नियम तोड़ने वालों के पर एक्शन लेने का पूरा हक है।

शिवकुमार ने खरगे से मुलाकात की

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें तेज

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर उनसे मुलाकात की। इस बैठक को राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे सत्ता संतुलन और अंदरूनी समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि बैठक के बाद शिवकुमार ने किसी भी राजनीतिक चर्चा से इनकार करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति की 27 दिसंबर को होने वाली बैठक के मद्देनजर उन्होंने राज्य इकाई प्रमुख के तौर पर केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के स्थान पर लाए गए कानून पर अपने विचार साझा किए।

'पहले कार्यकर्ता, फिर पद'

दिल्ली में दिए अपने बयान पर सफाई देते हुए शिवकुमार ने कहा कि वे किसी भी पद पर रहें, सबसे पहले पार्टी के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने कार्यकर्ता के रूप में झंडे लगाए, पोस्टर चिपकाए, सफाई की और पार्टी के लिए हर जरूरी काम किया है। शिवकुमार ने दोहराया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और वे दोनों हाईकमान के निर्देशों के अनुसार काम करेंगे और सौंपे गए दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

ममता की मुसीबत बन सकते हैं कबीर, औवेसी और पीरजादा

- पश्चिम बंगाल की सियासी जमीन पर बदल रहे हैं समीकरण
- भाजपा की मजबूत बूथ प्रबंधन से ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़त की कोशिश

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की चुनावी राजनीति में बागी विधायक हुमायूं कबीर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कबीर द्वारा एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवेसी और इंडिया सेकुलर फ्रंट के नेता पीरजादा अब्बास सिद्दीकी से संपर्क साधे जाने से राज्य की सियासत में नई हलचल पैदा हो गई है।

राज्य में सीधा मुकाबला, तीसरी ताकत की आहट

पश्चिम बंगाल में फिलहाल तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच लगभग सीधा मुकाबला है, जबकि कांग्रेस और वाम दल हाशिए पर चले गए हैं। ऐसे माहौल में तृणमूल से अलग हुए हुमायूं कबीर खुद को तीसरी ताकत के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। भले ही उनकी पकड़ फिलहाल सीमित क्षेत्रों तक हो, लेकिन औवेसी और पीरजादा सिद्दीकी का साथ मिलने पर कई सीटों पर समीकरण बदल सकते हैं।

मुस्लिम वोट बैंक पर संभावित असर

हाल के चुनावों में औवेसी की पार्टी को बिहार में मिली सफलता से संकेत मिला है कि मुस्लिम मतदाता एआईएमआईएम को स्वीकार करने लगे हैं। वहीं आईएसएफ ने भी पिछले चुनाव में एक सीट जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। यदि ये तीनों नेता एक मंच पर आते हैं, तो मुस्लिम मतों में आंशिक ध्रुवीकरण संभव है, जिसका सीधा नुकसान ममता बनर्जी को हो सकता है, खासकर तब जब राज्य में करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। भाजपा के खिलाफ अब तक मुस्लिम समुदाय का बड़ा हिस्सा ममता बनर्जी के साथ रहा है, लेकिन सत्ता विरोधी माहौल, बांग्लादेश के मौजूदा हालात और एसआईआर जैसे मुद्दों पर समुदाय का रुख क्या होगा।

भ्रामक विज्ञापनों के लिए विजन आईएएस पर 11 लाख का जुर्माना

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने शैक्षणिक संस्थान विजन आईएएस पर यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में अपने छात्रों के प्रदर्शन के बारे में भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए 11 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। संस्थान ने जानबूझकर यह जानकारी छिपाई कि सफल उम्मीदवारों ने वास्तव में किन पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया था, जिससे यह धारणा बनी कि सभी टॉपर्स ने महंगे फाउंडेशन कोर्स किए थे। जुर्माना उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के तहत बार-बार अपराध करने पर लगाया गया पहला मामला है।

संस्थान ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में अपने छात्रों के प्रदर्शन के बारे में दी गलत जानकारी

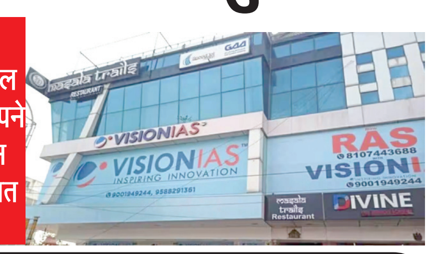

सीसीपीए का कड़ा रुख और नियामक अनुपालन की कमी

सीसीपीए की मुख्य आयुक्त एवं उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि नियामक चेतावनी और हस्तक्षेप के बावजूद संस्थान ने अपने नए विज्ञापनों में भी भ्रामक दावे जारी रखे। उन्होंने इसे उचित सावधानी और नियामक अनुपालन की कमी बताया। सीसीपीए ने बताया कि इस मामले को दोबारा किए गए उल्लंघन के रूप में माना गया और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए उच्च दंड लगाया गया।

धनशोधन मामले में आईएएस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर सुरेंद्रनगर के पूर्व जिलाधिकारी राजेंद्रकुमार पटेल और तीन अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आईएएस अधिकारी पटेल का तबादला बुधवार को उनके पद से कर दिया गया, जिसके पीछे ईडी द्वारा उनके कार्यालय से राजस्व अधिकारी चंद्रसिंह मोरी की गिरफ्तारी का मामला बताया गया। एसीबी के संयुक्त निदेशक मकरंद चौहान ने बताया कि 23 दिसंबर को पटेल, उनके निजी सहायक जयराजसिंह झाला, लिपिक मयूरसिंह गोहिल और राजस्व अधिकारी चंद्रसिंह मोरी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

रिश्वतखोरी और धनशोधन जांच

ईडी के अनुसार, मोरी ने स्वीकार किया कि जब्त की गई नकदी वैधानिक भूमि-उपयोग आवेदनों के त्वरित निपटारे के लिए आवेदकों से ली गई थी, चाहे वह सीधे तौर पर हो या बिचौलियों के माध्यम से। धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत रिपोर्ट दर्ज होने के बाद, एजेंसी अब मोरी और अन्य संबंधित लोगों से जुड़े कथित धनशोधन की जांच कर रही है।

सैन्य ताकत पूरा बांग्लादेश जद में, पनडुब्बी से 3500km की रेंज तक मार करेगी

भारत ने के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का किया सफल परीक्षण

एजेंसी । विजयवाड़ा

बांग्लादेश में बिगड़े हालात के बीच भारत ने इस पड़ोसी मुल्क को कड़ा संदेश दे दिया है। जिस तरह से वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा, उसे लेकर दिल्ली में गुस्सा है। इस संबंध में भारत ने कई बार ढाका को चेताया, तनावपूर्व हालात को संभालने के लिए अहम निर्देश भी दिए हैं। हालांकि, पड़ोसी देश में हालात बद से बदतर ही होते जा रहे। ऐसे में भारत ने डायरेक्ट एक्शन न लेकर ऐसा कदम उठाया जिससे बांग्लादेश की मौजूदा सरकार जरूर टेंशन में आ गई होगी। दरअसल, भारत ने मंगलवार को बंगाल की खाड़ी में परमाणु संचालित पनडुब्बी आईएनएस अरिघात से 3500 किलोमीटर दूर तक मार करने वाली K-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

K-4 बैलिस्टिक मिसाइल क्यों है खास

बांग्लादेश की नाक के नीचे जिस तरह से भारत ने बंगाल की खाड़ी में इस मिसाइल की टेस्टिंग की है वो बेहद अहम है। K-4 बैलिस्टिक मिसाइल भारत की परमाणु हथियार क्षमता को मजबूती देने में अहम रोल निभाएगा। रक्षा मंत्रालय ने इस परीक्षण पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, हालांकि, सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि सॉलिड-फ्यूल वाली ये K-4 मिसाइल है, जो दो टन का परमाणु पेलोड ले जा सकती है। यह परीक्षण भारत की समुद्री परमाणु क्षमता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।

आईएनएस अरिघात से टेस्टिंग

ये मिसाइल परीक्षण विशाखापत्तनम के तट से किया गया था। आईएनएस अरिघात 6000 टन की पनडुब्बी है, जिसे तीनों सेनाओं के रणनीतिक फोर्स कमांड से संचालित किया जाता है। सूत्र ने बताया कि इस मिसाइल परीक्षण से इसके सभी टेक्निकल पैरामीटर और मिशन का विस्तृत विश्लेषण किया जाएगा। बीते कुछ कुछ साल के दौरान पनडुब्बी जैसे प्लेटफॉर्म से कई परीक्षणों के बाद, दो-फेज वाली K-4 मिसाइल का पहला परीक्षण आईएनएस अरिघात से नवंबर 2023 में हुआ था।

आईएनएस अरिघात मॉडर्न परमाणु पनडुब्बी

आईएनएस अरिघात, भारत की दूसरी बेहद मॉडर्न परमाणु-संचालित पनडुब्बी है जो परमाणु-युक्त बैलिस्टिक मिसाइलों को ले जा सकती है। इसे 29 अगस्त 2023 को नौसेना में शामिल किया गया था। इससे पहले, आईएनएस अरिहंत, जो 2018 में पूरी तरह से एक्टिव हुई थी, केवल 750 किलोमीटर की रेंज वाली के-15 मिसाइलों को ले जा सकती है। K-4 बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती के बाद, 5000 से 6000 किलोमीटर की रेंज वाली K-5 और K-6 मिसाइलें भी आएंगी।

लगातार सैन्य ताकत बढ़ा रहा भारत

भारत अपनी तीसरी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को 2026 की पहली तिमाही में और चौथी पनडुब्बी को 2027-28 में शामिल करेगा। यह सब दशकों पहले शुरू हुए सीक्रेट 90000 करोड़ रुपये के एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल कार्यक्रम के तहत हो रहा है। ये दोनों नई पनडुब्बियां पहली दो 6000 टन की पनडुब्बियों से थोड़ी बड़ी होंगी, जिनका वजन 7,000 टन होगा। भविष्य में 13,500 टन की परमाणु पनडुब्बियां बनाने की भी योजना है। इन पनडुब्बियों में मौजूदा 83 मेगावाट के रिएक्टरों के बजाय 190 मेगावाट के अधिक शक्तिशाली प्रेशराइज्ड लाइट-वाटर रिएक्टर लगे होंगे।

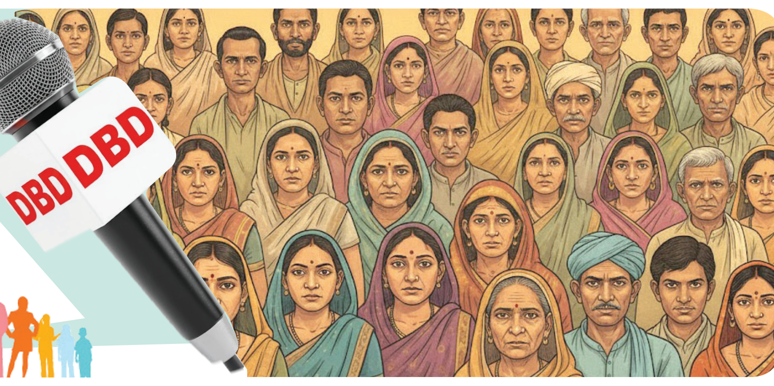

कोने-कोने से...

शेट्टी परिवार भाजपा में शामिल

पिंपरी-चिंचवड। पिंपरी-चिंचवड महानगर पालिका चुनाव की आहट के साथ ही शहर में दलबदल की राजनीति ने जोर पकड़ लिया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के गढ़ में सेंध लगाते हुए भाजपा विधायक महेश लांडगे ने एक बड़ा राजनीतिक पलटवार किया है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेहद करीबी माने जाने वाले शेट्टी परिवार सहित शहर के पांच दिग्गज नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है, जिससे राकांपा को शहर में तगड़ा झटका लगा है। इस मौके पर विधान परिषद विधायक अमित गोरखे, शहर अध्यक्ष शत्रुघ्न काटे, दक्षिण भारत आघाडी के प्रमुख राजेश पिल्ले, महासचिव शीतल शिंदे, पूर्व उपमहापौर तुषार हिंगे सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

वार्ड नंबर 114 को लेकर गतिरोध

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और शिवसेना (उबाठा) के बीच बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए उन कुछ सीट पर गतिरोध अभी तक दूर नहीं हो पाया है, जहां दोनों दलों का प्रभाव है। मनसे के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। मनसे के एक नेता ने कहा कि भांडुप में सीटों को लेकर गतिरोध बना हुआ है, खासकर वार्ड नंबर 114 को लेकर। पूर्वी उपनगरों में स्थित भांडुप और विक्रोली ऐसे क्षेत्र हैं जहां उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठा) और राज ठाकरे की मनसे दोनों की मजबूत मौजूदगी है। शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 20 वर्षों की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता खत्म करते हुए 15 जनवरी को बीएमसी के चुनाव से पहले बुधवार को अपनी पार्टियों के गठबंधन की घोषणा की थी, लेकिन सीट बंटवारे के समझौते से संबंधित विवरण देने से इनकार कर दिया था। मनसे नेता ने कहा कि उनकी पार्टी ने वार्ड 114 पर अपने स्थानीय नेता के लिए दावा पेश किया है। उद्धव ठाकरे की पार्टी से एक पूर्व विधायक की पत्नी और शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय दीना पाटिल की बेटी राजूल पाटिल इस वार्ड से चुनाव लड़ने की इच्छुक हैं।

मनपा चुनाव में धनबल पर वार, आयकर विभाग ने सक्रिय किया विशेष तंत्र

पुणे। आगामी स्थानीय निकाय और महानगर पालिका चुनावों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। चुनावी प्रक्रिया में धनबल के बढ़ते दुरुपयोग को रोकने के लिए आयकर विभाग ने विशेष निगरानी तंत्र सक्रिय कर दिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि

काले धन, अवैध नकदी और मतदाताओं को लुभाने के किसी भी प्रयास पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बार विभाग ने 'जन भागीदारी' पर विशेष जोर दिया है, ताकि भ्रष्टाचार मुक्त चुनाव संपन्न कराए जा सकें। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे निष्पक्ष चुनाव कराने में मददगार बने। यदि कहीं भी अवैध नकदी या कीमती वस्तुओं के वितरण की जानकारी मिलती है, तो नागरिक सीधे विभाग से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए टोल-फ्री नंबर 1800-233-0701, व्हाट्सएप नंबर 9922380806 और ई-मेल pune lpdit linv@incometax lgov li n जारी किए गए हैं, विभाग ने आश्वासन दिया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

जेन जी

मैं अपना वोट उसी पार्टी को देना चाहता हूँ जो शिक्षा और रोजगार को प्राथमिकता दे। मेरा मानना है कि सिर्फ वादे काफी नहीं होते; निर्णय लेते समय नेताओं के पिछले कार्यों और उनकी सार्वजनिक छवि को गंभीरता से देखना चाहिए।

– रवि गुप्ता , वसई

युवा वर्ग आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म से गहराई से प्रभावित है। ऐसे में मुझे वही नेता पसंद हैं जो पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ काम करते हों। मेरे लिए यह बेहद जरूरी है कि वे आम जनता की समस्याओं को न केवल समझें, बल्कि उनके ठोस और प्रभावी समाधान भी प्रस्तुत करें।

–प्रियंका गुप्ता, वसई

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

डीबीडी PODCAST

सांसद धनंजय महाडिक के बेटे कृष्णराज महाडिक चुनावी मैदान में

भारतीय जनता पार्टी के सांसद धनंजय महाडिक के बेटे कृष्णराज महाडिक ने कोल्हापुर महानगरपालिका चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। उन्होंने हमसे बातचीत में कहा कि वे रुईकर कॉलोनी–महाडिक कॉलोनी स्थित प्रभाग नंबर 3 से चुनावी मैदान में उतरेंगे।

Q आपने कोल्हापुर महानगरपालिका चुनाव लड़ने का फैसला क्यों लिया?

यह फैसला पार्टी नेतृत्व के आदेश पर लिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के निर्देश के बाद मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसमें परिवार की कोई भूमिका नहीं है। मैं पूरी निष्ठा के साथ इसे निभाऊँगा।

Q क्या यह परिवार की राजनीतिक विरासत के कारण है?

जवाब : नहीं, टिकट मिलने या चुनाव में उतरने का यह फैसला पूरी तरह से पार्टी के निर्णय पर आधारित है। हमारे परिवार का कोई हस्तक्षेप नहीं रहा। हालांकि, मैं अपने परिवार की राजनीतिक विरासत पर गर्व महसूस करता हूँ और अब तीसरी पीढ़ी राजनीति में कदम रख रही है।

Q आपने प्रभाग नंबर 3 से चुनाव लड़ने का फैसला क्यों किया?

जवाब : यह वही क्षेत्र है जहां मैं रहता हूँ और मेरा कार्यालय भी यही है। मैंने पिछले कई सालों में सामाजिक कार्य और जनसंपर्क इसी क्षेत्र में किए हैं। मुझे प्रभाग के लोगों से सीधा संपर्क और सकारात्मक समर्थन मिल रहा है।

Q कोल्हापुर के विकास के लिए आपकी क्या प्राथमिकताएँ हैं?

जवाब : शहर में योजनाबद्ध विकास की आवश्यकता है। सही प्लानिंग से संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकता है। कई जगहों पर फंड तो लगाया जाता है, लेकिन रखरखाव न होने के कारण दोबारा खर्च करना पड़ता है। मेरा लक्ष्य पूरे कोल्हापुर के समग्र विकास पर ध्यान देना और जनता के टैक्स के पैसों का सही उपयोग सुनिश्चित करना है।

विश्लेषण

ठाकरे बंधु बनाम सब की जंग

बीएमसी चुनाव

धीरज सिंह । मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव की उलटी गिनती पहले ही शुरू हो चुकी है और अब चुनावी रफ्तार ने तेज गति पकड़ ली है। हालांकि, राजनीतिक परिदृश्य अभी भी काफी उलझा हुआ है। नामांकन की अंतिम तिथि तक यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि कौन किसके साथ है और कौन अकेले चुनाव मैदान में उतरेगा। मौजूदा सत्तासमीकरण महाराष्ट्र में अपेक्षाकृत स्पष्ट दिखाई देता है, लेकिन बीएमसी चुनाव से पहले सब कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है। विपक्षी महा विकास आघाड़ी का हाल जटिल है, वहीं सत्ताधारी महायुति गठबंधन में भी सीटों के बंटवारे और नेतृत्व के मुद्दों पर अंदरूनी जटिलताएं हैं।

उद्धव–राज ठाकरे का गठबंधन और मराठी राजनीति

शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने गठबंधन की पुष्टि कर दी है। दोनों नेताओं ने मीडिया के सामने आकर कहा कि उनकी सोच एक है और वे मराठी समाज के मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे। उद्धव ठाकरे ने साफ किया कि वे मुंबई को विभाजित करने की किसी साजिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे और यह गठबंधन महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा संघर्ष होगा। हालांकि सीटों का बंटवारा अभी फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन दोनों की साझा रणनीति ने राजनीतिक शंकाओं और अटकलों को काफी हद तक खत्म कर दिया है। यह गठबंधन यह संकेत भी देता है कि ठाकरे भाइयों की राजनीति अब पुरानी छवि से आगे बढ़कर नई चुनौती के रूप में सामने आ रही है।

महायुति का दबदबा और चुनौतीपूर्ण सीट बंटवारा

लोकल निकाय चुनावों में महायुति ने स्पष्ट प्रभुत्व दिखाया है। 2 और 20 दिसंबर को हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में बीजेपी ने 117 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, वहीं एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 53 और अजित पवार की एनसीपी को 37 सीटें मिलीं। 207 नगर अध्यक्ष पद जीतकर महायुति ने विपक्षी महाविकास आघाड़ी को पीछे छोड़ दिया और शहर के सत्ता समीकरण में अपना दबदबा फिर से कायम किया। अब असली परीक्षा बीएमसी की 227 सदस्यीय विधानसभा में है, जहां महायुति ने 150 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। सूत्रों के अनुसार बीजेपी 150 सीटों पर अपने उम्मीदवार चाहती है, एकनाथ शिंदे की शिवसेना के हिस्से में लगभग 50 सीटें और एनसीपी को 27 सीटें मिल सकती हैं। लेकिन इन दलों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर लगातार बातचीत और मोलभाव जारी है।

एकनाथ शिंदे का दबाव और दावा

एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के साथ चल रही बातचीत में 100 सीटों पर अपना दावा जताया है। उनका कहना है कि बीएमसी में शिवसेना का ही दबदबा रहा है और इसलिए उन्हें सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। यह दावेदारी विधानसभा चुनावों में उनके नेतृत्व और नगर निकाय चुनावों के ताजातरीन नतीजों से मजबूती भी पा रही है। शिंदे गुट का जोर यह दिखाता है कि महायुति के भीतर सत्ता का संतुलन अभी भी संवेदनशील है और उनकी भूमिका बीएमसी में निर्णायक हो सकती है।

अजित की रणनीति और महायुति में सस्पेंस

अजित पवार के सामने अभी यह सस्पेंस बना हुआ है कि वे मुंबई में महायुति के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे या अकेले उतरेंगे। सूत्रों के अनुसार, उनकी पार्टी को महायुति के साथ गठबंधन में 10 से 14 सीटें मिलने की संभावना है। बीजेपी चाहती है कि अजित पवार गठबंधन में बने रहें, लेकिन विवादों और आरोपों की वजह से नवाब मलिक को दूर रखा जाए। अब तीनों दल–बीजेपी, शिंदे गुट और एनसीपी–के बीच सहयोग की संभावना बढ़ गई है।

बढ़े मतदाता बदलेंगे बीएमसी का सत्ता समीकरण

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पिछले चुनाव की तुलना में कुल मतदाताओं की संख्या 12.67 प्रतिशत बढ़ी है। मुंबई के 227 वार्डों में से चार वार्ड ऐसे हैं जहां वोटर की संख्या 50% से अधिक बढ़ी है। ये वार्ड मलाड और कुर्ला विधानसभा क्षेत्रों में आते हैं और इनमें अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी अधिक है।

वार्ड 48 : मालवणी में 67 .6% वृद्धि

पश्चिमी उपनगर मालवणी का वार्ड नंबर 48 इस मामले में सबसे आगे है। 2017 में इस वार्ड में 29,697 मतदाता थे, जो अब बढ़कर 49,775 हो गए हैं, यानी 67.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी। पिछली बार कांग्रेस की सलमा सलीम अमलेलकर यहां पार्षद चुनी गई थीं। इस वृद्धि को लेकर स्थानीय राजनेताओं में भी चिंता और सियासी बहस चल रही है।

वार्ड 33 : मतदाताओं की संख्या 54 .1 प्रतिशत बढ़ी

वार्ड संख्या 33 में मतदाताओं की संख्या 54.1 प्रतिशत बढ़ी है। 2017 में 25,590 वोटर थे, जो अब 39,424 हो गए हैं। पिछले चुनाव में कांग्रेस के वीरेंद्र चौधरी यहां विजयी रहे थे। इस इलाके में रोहिंग्या और बांग्लादेशी अवैध प्रवासियों के मुद्दे भी चुनावी बहस का हिस्सा बने हुए हैं।

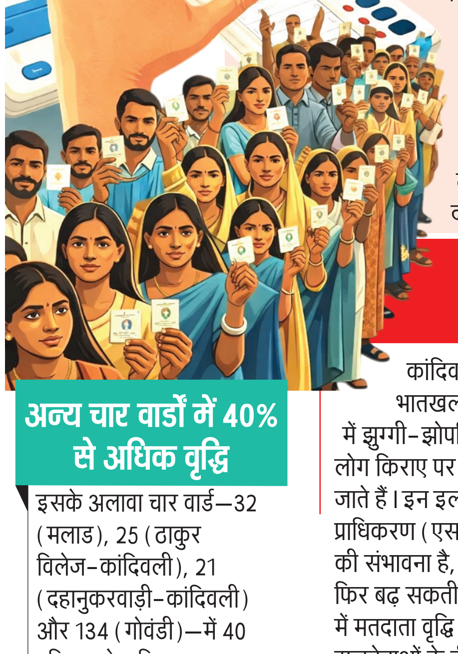

कुर्ला और चांदीवली वार्ड में भी 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ोत्तरी

कुर्ला के वार्ड 157 और चांदीवली के वार्ड 163 में भी मतदाताओं की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। वार्ड 157 में 38,198 से बढ़कर 57,612 मतदाता हो गए, जबकि वार्ड 163 में 30,926 से बढ़कर 46,941 मतदाता हो गए। ये वार्ड चांदीवली विधानसभा सीट के अंतर्गत आते हैं। पिछली बार शिवसेना के दिलीप लांडे और आकांक्षा शेट्टी ने यहां जीत दर्ज की थी।

अन्य चार वार्डों में 40% से अधिक वृद्धि

इसके अलावा चार वार्ड–32 (मलाड), 25 (ठाकुर विलेज-कांदिवली), 21 (दहानुकरवाड़ी-कांदिवली) और 134 (गोवंडी)–में 40 प्रतिशत से अधिक मतदाता वृद्धि हुई है। 17 वार्डों में 30 प्रतिशत से अधिक और 39 वार्डों में 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

उपनगरों में घटावट का कारण

कांदिवली के बीजेपी पार्षद अतुल भातखलकर का कहना है कि इन वार्डों में झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या अधिक है। लोग किराए पर चॉल देकर दूसरी जगह चले जाते हैं। इन इलाकों में जल्द ही झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) के तहत पुनर्विकास होने की संभावना है, जिससे मतदाताओं की संख्या फिर बढ़ सकती है। मलाड और मालवणी वार्डों में मतदाता वृद्धि को लेकर स्थानीय नेताओं और राजनेताओं के बीच बहस जारी है। भाजपा और कांग्रेस के नेता मतदाता सूची की सटीकता और अवैध प्रवासियों की हिस्सेदारी को लेकर विवाद में हैं। चुनाव से पहले इन वार्डों में मतदाता आधार को लेकर सियासी लड़ाई और तेज होने की

24 वार्डों में घटे मतदाता

आंकड़ों से यह भी पता चला कि मुंबई के 227 वार्डों में से 24 वार्डों में मतदाताओं की संख्या घट गई है। इनमें 10 वार्ड उपनगर इलाकों में हैं। घटे हुए वार्डों में कांदिवली पूर्व (28), बोरीवली (13), गोरेगांव (57), अंधेरी पश्चिम (64), खार (100) और बांद्रा (102) शामिल हैं।

डीबीडी ग्राउंड रिपोर्ट

महानगरपालिका चुनाव

पहचान की राजनीति से आगे निकले मतदाता